दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 191 | ग्वालियर बुधवार, 03 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

कनाडा की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भारत के गैंगस्टर गोल्डी बरार का नाम, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में है साजिशकर्ता

कनाडा की सरकार ने मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के कथित साजिशकर्ता सतिंदर सिंह बरार उर्फ गोल्डी बरार का नाम मंगलवार को देश के टॉप 25 वांछित अपराधियों की लिस्ट में शामिल किया है. दरअसल जून 2022 में बरार के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने में भारत को सफलता मिली थी.इसके बाद से ही वह रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस के लिए वांछित है. नई दिल्ली में कनाडा के उच्चायोग ने एक बयान में यह बात कही है. बोलो (बी ऑन द लुकआउट) कार्यक्रम' की लिस्ट के मुताबिक, टोरंटो के यंग-डुंडास स्क्वायर पर सभी 25 भगोड़ों के साथ बरार का आदमकद कटआउट लगा है. 29 साल का बरार भारत में हत्या, हत्या के प्रयास, हत्या की साजिश और अवैध हथियारों की तस्करी का आरोपी है.कनाडा कि सरकार ने सूची में 15वें नंबर पर आने वाले बरार पर किसी इनाम की घोषणा नहीं की गयी है. गोल्डी बरार 2017 में स्टूडेंट वीजा पर कनाडा पहुंचा था. उसने कथित तौर पर शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली थी जिनकी 29 मई, 2022 को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. पंजाब के मुक्तसर का रहने वाला गोल्डी बरार तब से ही फरार है.बरार कनाडा में रहते हुए इन अपराधों को अंजाम देने का आरोपी है और उसके खिलाफ इस समय जांच चल रही है, लेकिन कनाडा में उस पर कोई आपराधिक आरोप नहीं है. कनाडा में इंटरपोल के रेड नोटिस पुलिस को किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी का अधिकार नहीं देते. किसी व्यक्ति को तभी गिरफ्तार किया जा सकता है जब तर्कसंगत आधार हों कि किसी व्यक्ति ने कनाडा में अपराध किया है या कोई कनाडाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है. कनाडा सरकार के बयान के अनुसार, भारत में बरार के कथित रूप से किए गए अपराध बहुत गंभीर प्रकृति के हैं और कनाडा पुलिस उनका संज्ञान लेगी. बयान में कहा गया कि समझा जाता है कि बरार कनाडा में है और वो लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा है.पंजाब पुलिस ने मूसेवाला की हत्या के लिए गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई को जिम्मेदार ठहराया है. गोल्डी बरार का नाम पिछले साल 26 अगस्त को मानसा अदालत में दायर 1850 पन्नों के आरोप-पत्र में है.आरोप-पत्र में एक दर्जन अन्य लोगों के साथ जेल में बंद कुख्यात अपराधियों बिश्नोई तथा जग्गू भगवानपुरिया के नाम हैं.एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स के प्रमुख प्रमोद बान के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) मूसेवाला हत्याकांड की जांच कर रहा है. बान ने कहा है कि मुख्य साजिशकर्ता बिश्नोई ने यह कबूल किया है कि अकाली युवा नेता मिद्दूखेड़ा की हत्या का बदला लेने के लिए अगस्त 2021 में इसकी साजिश को अंजाम दिया गया था

बीजेपी के साथ अचानक क्यों चले गए थे अजित पवार? शरद पवार ने किया खुलासा, इस पार्टी को ठहराया जिम्मेदार

एनसीपी के दिग्गज शरद पवार ने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे का एलान किया है. उनकी पार्टी के कई नेताओं की ओर से उन्हें मनाने की कोशिशें हो रही हैं. इस बीच शरद पवार की आत्मकथा लोक भूलभुलैया संगति प्रकाशित हुई है. इसमें उन्होंने महाराष्ट्र की सियासत से संबंधित कई चौंकाने वाली बातें लिखी हैं.2019 के विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद महाराष्ट्र की सियासी उथल-पुथल और अजित पवार के बीजेपी के साथ जाने के फैसले से संबंधित कई बातें भी उन्होंने किताब में लिखी हैं. अजित पवार बीजेपी के साथ अचानक क्यों चले गए थे, इस बारे में शरद पवार ने खुलासा करते कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है.किताब में शरद पवार ने लिखा, जब मैंने सोचना शुरू किया कि अजित ने ऐसा फैसला क्यों लिया, तब मुझे एहसास हुआ कि सरकार गठन में कांग्रेस के साथ चर्चा इतनी सुखद नहीं थी. उनके व्यवहार के कारण हमें हर रोज सरकार गठन पर चर्चा में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था.उन्होंने लिखा, हमने चर्चा में बहुत नरम रुख अपनाया था लेकिन उनकी प्रतिक्रिया स्वागत योग्य नहीं थी. ऐसी ही एक मुलाकात में मैं भी आपा खो बैठा और मेरा मानना ??था कि यहां आगे कुछ भी चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है. जिससे मेरी ही पार्टी के कई नेताओं को झटका लगा था.अजित के चेहरे से साफ जाहिर हो रहा था कि वह भी कांग्रेस के इस रवैये से खफा हैं. मैं बैठक से चला गया लेकिन अपनी पार्टी के अन्य सहयोगियों से बैठक जारी रखने के लिए कहा. कुछ समय बाद मैंने जयंत पाटिल को फोन किया और बैठक की प्रगति के बारे में पूछा, उन्होंने मुझे बताया कि अजित पवार मेरे (शरद पवार) तुरंत बाद चले गए.पवार ने लिखा, मैंने नहीं सोचा था कि उस समय से कुछ गलत होगा. इस तरह के विद्रोह को तोड़ने के लिए और सभी विधायकों को वापस लाने के लिए तत्काल पहला कदम उठाया. वाईबी चव्हाण केंद्र में मैंने बैठक बुलाई. उस बैठक में 50 विधायक मौजूद रहे, इसलिए हमें विश्वास हो गया कि इस बागी में कोई ताकत नहीं हैएमवीए गिर गया क्योंकि उद्धव ठाकरे ने बिना लड़े इस्तीफा दे दिया-

जय बजरंगबली बोलने वालों को. कांग्रेस के घोषणापत्र पर पीएम मोदी का बड़ा हमला

कर्नाटक के होसपेट में पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (2 मई) को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जोरदार बोला हमला. उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि पहले प्रभु श्रीराम से तकलीफ थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से नफरत है. कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल, पीएफआई जैसे संगठन को बंद करने का एलान किया है. पीएम ने कहा कि आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है. पहले श्रीराम को ताले

में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है. ये देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्रीराम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है.कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में कहा है कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले संगठनों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध है. हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है. कोई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत एवं शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन, चाहे वह बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के हों, वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते. हम ऐसे संगठनों पर कानून के तहत प्रतिबंध लगाने समेत निर्णायक कार्रवाई करेंगे.

दोषियों की रिहाई के खिलाफ याचिका पर एस सी में सुनवाई टली, आज कोर्ट में कोर्ट में क्या कुछ हुआ?

बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार (2 मई) को टल गई. अब जुलाई में अगली सुनवाई की उम्मीद है. 9 मई को कोर्ट आगे की सुनवाई पर निर्देश जारी कर सकता है.मंगलवार की सुनवाई के दौरान रिहा हुए कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि बिना उन्हें नोटिस सर्व किए

याचिकाकर्ता बिलकिस की तरफ से कोर्ट को झूठी जानकारी दी गई है कि प्रक्रिया पूरी कर दी गई.इसके लिए बिलकिस बानो के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. गुजरात सरकार ने रिहाई के मामले में सुभाषिनी अली और महुआ मोइत्रा जैसे उन लोगों की याचिका पर सुनवाई का विरोध किया, जिनका इस केस से कोई संबंध नहीं है. गुजरात सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि बानो की याचिका फर्जी है. उन्होंने अपने हलफनामें में झूठ बोला है.पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट में गुजरात सरकार ने रिहाई से जुड़ी फाइल दिखाने का आदेश का विरोध किया था. जस्टिस केम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि सेब की तुलना संतरे से नहीं की जा सकती. इसी तरह नरसंहार की तुलना एक हत्या से नहीं की जा सकती. जस्टिस केम जोसेफ ने साथ ही कहा था कि अभी बिलकिस बानो है. कल आप और मुझमें से कोई भी हो सकता है.गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आगजनी की घटना के बाद दंगे हो गए थे. इस दौरान 2002 में बिलकिस के साथ गैंगरेप किया गया था. उनके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी. इसमें कोर्ट ने 21 जनवरी 2008 को 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी. इसके बाद से सभी 11 दोषी जेल में बंद थे लेकिन पिछले साल 15 अगस्त को सभी को रिहा कर दिया गया इसी को कोर्ट में चुनौती दी गई है.

कौन संभालेगा पवार की विरासत, बेटी-भतीजा या कोई और....रेस में हैं

देश के वरिष्ठतम राजनेताओं में से एक और एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने आज (2 मई) अपनी आत्मकथा के विमोचन के दौरान एनसीपी के अध्यक्ष के पद से अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया. उनके इस ऐलान के साथ ही अब राजनीतिक गलियारों में इस बात के सवाल शुरू हो गए कि आखिर एनसीपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा?एनसीपी की आधिकारी बेवसाइट पर नजर डालें तो पता चलता है कि शरद पवार के बाद कौन बड़े नेता है जिनका नाम पार्टी की वेबसाइट पर प्रमुखता से दर्ज है. इन टॉप 5 नामों में से ये नाम निम्नलिखित हैं...1.अजीत पवार- एनसीपी प्रमुख शरद पवार के भतीजे हैं और महाराष्ट्र के 3 दिन के डिप्टी सीएम भी रह चुके हैं. वह एनसीपी में शरद पवार के बाद सबसे बड़े नेता हैं, और फिलहाल एनसीपी के महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के सबसे बड़े नेता हैं. हालांकि ये पार्टी के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर काफी विवादों में रहे हैं. इनकी छवि पार्टी और उसके बाहर बागी नेता के रूप में जानी जाती है. इन्होंने 2019 में आधी रात को फड़नवीस के साथ डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी. इन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे थे.

कर्नाटक चुनाव प्रचार में हो रही बयानबाजी पर चुनाव आयोग की नसीहत,

कर्नाटक चुनाव प्रचार में हो रही बयानबाजी पर चुनाव आयोग की नसीहत, %यह सुनिश्चित करें किचुनाव आयोग ने जारी की एडवाइजरी चुनाव आयोग ने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान संवाद के गिरते स्तर को गंभीरता से लिया है. आयोग ने मंगलवार (2 मई) को सभी राजनीतिक दलों को परामर्श जारी किया है और पार्टियों से संयम बरतने को कहा है. मंगलवार को ही कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की है.चुनाव आयोग ने कर्नाटक चुनाव के दौरान प्रचार कर रहे तमाम स्टार कैंपेनर, राष्ट्र और राज्य स्तर की राजनीतिक दलों से कहा कि वह चुनाव प्रचार के दौरान भाषा के गिरते स्तर पर ध्यान दें.

मैं साफ कर देना चाहता हूं कि., ईडी की चार्जशीट में नाम का हुआ जिक्र तो बोले राघव चड्ढा

आम आदमी पार्टी (‹क्क) के सांसद राघव चड्ढा का कहना है कि उनके खिलाफ आबकारी नीति मामले में ईडी की शिकायत की खबर झूठी और मनगढ़ंत है. उनका कहना है कि मुझे ईडी की किसी भी शिकायत में न तो आरोपी के तौर पर नामित किया गया है और न ही संदिग्ध या गवाह के तौर पर. यह मेरी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने वाला दुष्प्रचार है. उन्होंने ये बातें मंगलवार (2 मई) को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं.दरअसल, आबकारी नीति मामले में ईडी ने पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है. इस चार्जशीट के अनुसार, मनीष सिसोदिया के पीए सी. अरविंद ने अपने बयान में कहा कि डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास पर एक बैठक हुई थी. इसमें राघव चड्ढा, पंजाब

के एक्साइज कमिश्नर, आबकारी अधिकारी और विजय नायर मौजूद थे. चार्जशीट में राघव चड्ढा के नाम का जिक्र है, लेकिन आरोपी के तौर पर उनका नाम नहीं है.इसी रिपोर्ट के बाद चड्ढा ने कहा, ÷सुबह से जो भी न्यूज रिपोर्ट और रिपोर्टिंग न्यूज चैनल्स के माध्यम से, वेबसाइट्स के माध्यम से या अखबारों के माध्यम से दी जा रही है. वो सरासर गलत और अपने मन से कही गई है, झूठ है और दुर्भावना से भरी हुई है.÷ उन्होंने का कि ये मोटिवेटेड है. ये बगैर तथ्यों के गलत खबर दी जा रही है.उन्होंने कहा, ÷ मैं साफ करना चाहता हूं कि मेरा नाम प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की किसी भी शिकायत में एक आरोपी के तौर पर, या फिर एक संदिग्ध के तौर पर कहीं नहीं है. आरोपी और संदिग्ध तो छोड़ दीजिए बतौर गवाह भी मेरा नाम कहीं नहीं है.

मन की बात से.., सीएम ममता बनर्जी का पीएम मोदी पर निशाना, विपक्षी एकजुटता पर भी दिया बयान

लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दल एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं. इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि बीजेपी 2024 के चुनावों में सत्ता गंवा देगी. अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव बदलाव लाने के लिए होंगे. ममता बनर्जी सभी विपक्षी दलों से एक साथ आने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा, भारत अपने अच्छे के लिए बदलाव का हकदार है. जनता से बड़ी कोई शक्ति नहीं है. ऐसे में मां-माटी-मानुष के अवसर पर मैं लोगों से अपील करती हूं कि वो जुमला पॉलिटिक्स के खिलाफ आए. जब सारी विपक्षी पार्टियां एकजुट होंगी तो बीजेपी हार जाएगी. ऐसे में लोग हिंदुस्तान को बांटने वालों से जीत जाएंगे.बनर्जी ने कहा कि पिछले 10 साल बीजेपी की सरकार ने कुछ नहीं किया. सिर्फ इतिहास बदलने, जुमला पॉलिटिक्स और एनआरसी के नाम पर जनता के साथ अन्याय किया है.

बेटी की मौत होने पर मां गुजारा भत्ता पाने की हकदार, मद्रास हाई कोर्ट का अहम फैसला

मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि एक मां अपनी मृत बेटी की संपत्ति

की कानूनी उत्तराधिकारी होती है, इसलिए वह बेटी के गुजारा भत्ता के लिए मिलने वाला बकाया पाने की हकदार है. साथ ही कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली महिला के पूर्व पति की याचिका खारिज कर दी.अन्नादुरई नामक शख्स का अपनी पत्नी से तलाक हो गया था. इस दौरान मुकदमेबाजी के दौरान उनकी तलाकशुदा पत्नी की मौत हो गई, जिसके बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भरण-पोषण के तौर पर मिलने वाली राशि मृतका की मां को देने का आदेश दिया.

राहुल गांधी को गुजरात हाई कोर्ट से अंतरिम राहत नहीं, मानहानि केस में फैसला सुरक्षित रखा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से मानहानि केस में दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर मंगलवार (2 मई) को गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत से इनकार करते हुए दोषसिद्धि पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है. सूरत जिले की एक कोर्ट ने मोदी सरनेममामले में दायर किए गए आपराधिक मानहानि के एक मामले में दोषी पाते हुए राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी. जिसके बाद राहुल गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य किया गया था. जस्टिस हेमंत एम. प्राच्छक की पीठ के समक्ष शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता निरुपम नानावटी पेश हुए. उन्होंने कहा कि अपराधों की गंभीरता, सजा इस स्तर पर नहीं देखी जानी चाहिए. उनकी (राहुल गांधी) अयोग्यता कानून के तहत हुई है. इस बीच, जज ने एक आदेश पारित किया जिसमें ट्रायल कोर्ट को उनके सामने मूल रिकॉर्ड और मामले की कार्यवाही पेश करने का निर्देश दिया गया. नानावटी ने कहा कि राहुल गांधी को कोर्ट ने अयोग्य नहीं ठहराया है. अयोग्यता संसद की ओर से ही बनाए गए कानून के संचालन के कारण हुई. उनका (गांधी का) मुख्य निवेदन यह है कि वह 8 साल के लिए राजनीतिक करियर से बाहर हो जाएंगे. उन्होंने राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से संबंधित एक समाचार रिपोर्ट पढ़ी जिसमें राहुल गांधी वे कथित तौर पर कहा कि मैं गांधी हूं, सावरकर नहीं और माफी नहीं मांगूंगा. शिकायतकर्ता के वकील ने

कहा कि उन्होंने (राहुल गांधी) कहा कि वह सजा, जेल से डरने वाले नहीं हैं और वह जीवन भर के लिए अयोग्य ठहराए जाने पर भी पीछे नहीं हटने वाले हैं. यह उनका सार्वजनिक स्टैंड है, लेकिन यहां कोर्ट के सामने उनका स्टैंड अलग है. अगर आपका यही स्टैंड है तो यहां कोर्ट में याचिका के साथ न आएं. उन्हें रोते हुए बच्चे के जैसे नहीं होना चाहिए. या तो सार्वजनिक रूप से किए गए अपने स्टैंड पर टिके रहें या कहें कि आपकी मंशा कुछ और थी.नानावटी ने कहा कि उनके खिलाफ कुल 12 मामले मानहानि के हैं. पुणे कोर्ट में सावरकर को लेकर की गई टिप्पणी के संबंध में उनके खिलाफ अन्य शिकायतें हैं. वह एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के नेता हैं. जिसने देश पर 40 साल तक शासन किया है, लेकिन अगर वह इस तरह के बयान दे रहे हैं, तो उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए. उन्होंने सॉरी भी नहीं कहा. उनकी ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, कुछ नहीं.उन्होंने कहा कि माफी नहीं मांगनी है तो ना मांगे, ये आपका हक है, लेकिन फिर ये हल्ला क्यों. मैं (पूर्णेश मोदी) इस मामले में पीड़ित व्यक्ति हूं. अपराध गंभीर है, संसद भी यही कहती है. दोषसिद्धि पर स्थगन के उनके आवेदन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. आवेदन को खारिज किया जाना चाहिए. वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने राहुल गांधी की ओर से कहा कि सीआरपीसी की धारा 389 (1) के तहत सजा पर रोक लगाने की परीक्षा असाधारण परिस्थितियां हैं. धारा 389 सीआरपीसी किसी व्यक्ति के दोषी होने या न होने से संबंधित नहीं है, लेकिन यह सुविधा के संतुलन के बारे में है. यहां मानहानि को अक्षम्य अपराध माना जा रहा है. स्थिति की अपरिवर्तनीयता को देखना होगा. एक निर्वाचित व्यक्ति लोगों का प्रतिनिधि होने का अधिकार खो देता है, जो अपरिवर्तनीय है.

पिछोर एसडीएम ने जनसुनवाई में किया लोगों की समस्याओं का निपटारा

ग्रामीणों की मांग पर बरसों पुरानी जर्जर टंकी को गिराने के दिए निर्देश

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर प्रदेश शासन की मंशा अनुसार कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन में पिछोर एसडीएम आईएएस अरविंद्र शाह ने मंगलवार को जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और बहुत सी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जिसमें ओलावृष्टि सहायता शासकीय तथा निजी जमीनों पर अवैध कब्जा नामांतरण बटवारा मध्यान भोजन, उर नदी बृहद परियोजना में किसानों की जमीन के मुआवजे ओलावृष्टि आदि अनेक समस्या संबंधी आवेदन दिए गए जिसमें एसडीएम ने कुछ समस्याओं के लिए जांच के आदेश दिए तो वही कुछ समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया इसी क्रम में खनियाधाना निवोदा निवासी चंदन पुत्र भूरा आदिवासी ने आवेदन दिया कि उर नदी बांध परियोजना में उसकी जमीन ले ली गई पर मुआवजा आज तक नहीं दिया जिस पर एसडीएम ने जांच के लिए संबंधित विभाग को आदेश दिया वही बालकृष्ण पुत्र देवीलाल निवासी चंदावनी ने शिकायत दर्ज कराई की भगवानदास पाल आदि व्यक्तियों द्वारा हरे भरे पेड़ काट लिए गए इसके अलावा ग्राम पंचायत बामोर निवासी सुखवती कोली ने विद्यालय में मध्यान भोजन नियमित न मिलने की शिकायत दर्ज कराई शिकायतों के इस क्रम में ग्राम पंचायत हरथोन निवासी

रघुवीर सिंह पुत्र हमीर सिंह यादव ने अनुविभागीय अधिकारी को लिखित शिकायती आवेदन देकर कहा कि उसकी ओलावृष्टि में धनिया की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई और मुआवजा एक पैसा नहीं मिला जनसुनवाई में बामोर कला से पहुंचे लोगों ने बताया कि बामोर कला का प्राचीन तालाब कुछ लोगों द्वारा तोड़ दिया गया जिससे बड़ी मात्रा में पानी की निकासी बर्बादी हो रही है जिस पर एसडीएम ने तत्काल जनपद सीईओ खनियाधाना को कार्रवाई करने के निर्देश दिए इसी प्रकार पिछोर के ग्राम पंचायत नाद मैं बरसों पुरानी पानी की टंकी के क्षतिग्रस्त होकर दुर्घटना की संभावना के मद्देनजर ग्रामीण में शिकायत दर्ज कराई की उसे गिरा दिया जाए वरना कोई बड़ी घटना हो सकती है जिस पर एसडीएम की जनसुनवाई में मौके पर ही उपस्थित जनपद पंचायत सीईओ पुष्पेंद्र व्यास से मामले की जानकारी ली और पीएचई विभाग के सब इंजीनियर आदि को बुलाकर टंकी गिराने के निर्देश दिए इसी तारतम्य में ग्राम पंचायत चमरौआ में दो लोगों द्वारा राजस्व की लगभग 100 बीघा जमीन पर कब्जा कर खेती कराए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई जिसके एसडीएम ने संबंधित विभाग को मौके पर जाकर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में एसडीएम पिछोर को 25 से 30 आवेदन प्राप्त हुए जनसुनवाई में अपनी समस्याओं को लेकर आए लोगों ने बताया कि नवागंतुक आईएएस एसडीएम अरविंद शाह के आ जाने से जनसुनवाई प्रारंभ हो गई है जिससे लोगों की समस्याओं के निराकरण हो रहे हैं

खनियाधाना पुलिस की अवैध हथियारों के खिलाफ कार्यवाही

थाना खनियाधाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का कट्टा एक जिन्दा राउण्ड किया जप्त

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा अवैध फायर आर्मस, अवैध शराब , अवैध खनिज परिबहन व जुआ सट्टा के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है । उक्त आदेश के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं एस.डी.ओ.पी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन आज दिनांक 02.05.2023 को थाना खनियाधाना पुलिस को चैकिंग के दौरान मुखविर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम खिरकिट मे एक व्यक्ति 315 बोर का कट्टा लिये बारदात करने की नियत से घूम रहा है, उक्त सूचना पर से निरी.धनेन्द्र भदौरिया द्वारा टीम गठित कर मुखविर द्वारा बताये स्थान पर दविस दी गई तो आरोपी नीरज उर्फ गोलू बंशकार पुत्र मूंगा राम बंशकार उम्र 18 साल निवासी ग्राम मुहारीकला के कब्जे से 315 बोर के कट्टा मय राउन्ड जप्त किया गया, जिस पर से थाना खनियाधाना पर अपराध क्रमांक 244/2023 धारा 25/27 आर्मस एक्ट का कायम कर विवेचना मे लिया गया । उक्त कार्यवाही मे निरी धनेन्द्र भदौरिया , सउनि सुकल मरावी, आर. 930 मजीत मलिक ,आर. 363 जयवीर गुर्जर आरक्षक 671 रवि बाथम , आरक्षक 781 हेमसिह गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

शहर के सीसीटीव्ही हो रहे आमजन के सहायक, पुलिस कन्ट्रोल रुम पर छात्रा द्वारा 13500रु., मोबाइल एवं मार्कशीट गिर जाने की सूचना पर से सीसीटीव्ही फुटेज के माध्यम से खोजकर छात्रा को बापस दिलाये ।

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा शहर मे लगे सीसीटीव्ही कैमरों के कवरेज को और बढ़ाने के लिये पुलिस टीम के माध्यम से प्रयास किये जा रहे हैं । सीसीटीव्ही कैमरे घटित हो रही घटनाओं के खुलासे व आरोपियों की पहचान के लिये वहुत ही उपयोगी साबित हो रहे हैं, इसी बात को ध्यान मे रखकर पुलिस अधीक्षक द्वारा शिवपुरी मे सीसीटीव्ही सर्विलांस को बढ़ाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं । इसी क्रम मे फतेहपुर

निवासी छात्रा काजल शर्मा अपने कॉलेज से लौटते समय पोलो ग्राउण्ड के पास अपना कैरी बैग गिरा गयीं थीं जो पुलिस द्वारा सीसीटीव्ही की मदद लेते हुये कैरी बैग वापस प्राप्त कर छात्रा को वापस दिये । दिनांक 19.04.2023 की वात है कि फरियादिया काजल शर्मा निवासी फतेहपुर द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी के सीसीटीव्ही रुम मे आकर अपनी बात बताई की मैं अपने कॉलेज से घर जा रही थी और मेरा बैग कहीं गिर गया है जिसमे मेरे ओरिजनल मार्कशीटें, मोबाइल, एवं 13500रु. नगद रखे थे, फरियादिया की रिपोर्ट पर तुरंत कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना कोतवाली को सूचना दी गई एवं कन्ट्रोल रुम प्रभारी उनि. विजेन्द्र राजपूत द्वारा आर. प्रीतम शाक्य, थाना कोतवाली से आर. भूपेन्द्र यादव, आर. भोला राजावत की मदद से सीसीटीव्ही कैमरों को खंगलवाया और व्हीडीपी पोर्टल की मदद लेते हुये वैग उठाने बाले व्यक्ति का पता प्राप्त कर उसे पुलिस कन्ट्रोल रुम बुलाया गया एवं छात्रा का वैग वापस दिलाया गया जिसमे उसकी सभी चीजें सही सलामत मिली । अपना खोया हुआ बैग प्राप्त कर छात्रा वहुत ही प्रशंन्न हुई एवं पुलिस का धन्यवाद करती हुई अपने घर गई ।

उप विकास आयुक्त ने फुलो झानो मेडिकल कॉलेज दुमका का निरीक्षण किया-

दुमका/ झारखंड। उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा फूलो झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में ऑपरेशन थियेटर के टेबल शीट को नियमित रूप से बदलने तथा उपयुक्त साफ-सफाई कराने का निदेश दिया गया। अस्पताल में निर्मित रैम्प की मरम्मति कराते हुए क्रियाशील करने का निदेश दिया गया। बहिरंग विभाग में पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। मनिपाल हेल्थ मैप द्वारा संचालित डायग्नोसिस सेंटर के प्रबंधक को एक सप्ताह के अन्दर रेडियोलॉजिस्ट नियुक्त करने का निदेश दिया गया। मातृत्व वार्ड में अविलंब पोस्ट ऑपरेटिव कक्ष तैयार कराने का निदेश दिया गया एक्स-रे कक्ष, टीकाकरण कक्ष एवं 0 कक्ष के प्रभारी से पर्याप्त साफ-सफाई नहीं होने के आलोक में कारण पृच्छा करने का निदेश दिया गया। अधीक्षक, फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका के ढ्रष्ट वार्ड को सुव्यवस्थित करने हेतु 24 घंटे के अन्दर कार्य योजना तैयार करने का निदेश दिया गया स्त्री एवं प्रसुति रोग कक्ष, लेबर वार्ड, वार्ड, सर्जरी वार्ड मेडिसिन वार्ड, एस0एन0सी0यू0 फार्मेसी आदि कक्षों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अधीक्षक, फूलो झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका, अस्पताल प्रबंधक, हड्डी रोग विभाग एवं सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष भी मौजूद थे।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल द्वारा संचालित गार्गी विद्यालय की छात्रा कु.अंजली कुशवाहा ने जेईई मेन परीक्षा में किया टॉप

देनिक मौरेना केसरी
-हरि प्रकाश सिंह

..रीवा संभांग.... सीधी जिले के चुरहट क्षेत्र के गांव टकटया निवासी अजय कुशवाहा(राजू) माता श्रीमती संतोषी कुशवाहा की पुत्री कुमारी अंजली कुशवाहा ने जेईई मेन परीक्षा पास करके अपने गांव एवं माता-पिता का नाम रोशन किया है अजय कुशवाहा एक छोटे किसान है माता स्वास्थ्य विभाग में आशा के पद पर कार्यरत हैं गरीब परिवार की बेटी ने प्रदेश में अपना नाम रोशन किया है महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल द्वारा संचालित गार्गी विद्यालय में उत्तर मध्यमा अंतिम वर्ष की छात्रा अंजली कुशवाहा अध्यनरत है जहां पर महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के डायरेक्टर महोदय

डॉ

प्रभात राज तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में छात्राओं का भविष्य उज्जवल हो रहा है डायरेक्टर साहब के कुशल मार्गदर्शन की वजह से कई छात्राओं का पूर्व में भी चयन हुआ है और आईआईटी जैसी बड़ी परीक्षाओं में छात्राओं ने सफलता हासिल की है गार्गी विद्यालय मैं प्रवेश हेतु पात्रता परीक्षा पास करनी होती है जो प्रदेश के समस्त जिलों में आयोजित कराई जाती है कुमारी अंजली कुशवाहा पात्रता परीक्षा पास कर गार्गी विद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया था एवं गार्गी विद्यालय के नेतृत्व में जेईई की मेन परीक्षा की तैयारी कर परीक्षा में सफलता अर्जित की है जेईई मेन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने गांव क्षेत्र माता पिता का प्रदेश भर में नाम रोशन किया है डॉ विष्णु देव कुशवाहा--- प्राचार्य गौतम बुद्ध संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनगवां-कुमारी अंजली कुशवाहा हमारी भांजी है उसके जेईई मेन परीक्षा टॉप करने पर उसे बहुत-बहुत बधाई एवं गार्गी विद्यालय के डायरेक्टर डॉ प्रभात राज तिवारी एवं उनकी कुशल टीम जो डायरेक्टर साहब के निर्देशन पर मार्गदर्शन पर कार्य कर रही है गार्गी विद्यालय के छात्रों का भविष्य उज्जवल कर रहे हैं महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल द्वारा संचालित किया गया गार्गी विद्यालय छात्राओं के लिए वरदान साबित हो रहा है संस्कृत द्वारा संचालित गार्गी विद्यालय कई छात्राओं को बड़े आयाम दे चुका है गांव गांव से निकलकर बेटियां भोपाल पहुंचकर अपनी प्रतिभा का निखार कर रहे हैं ऐसा कहा जाता है की प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है जब मैंने अपनी भांजी को गार्गी विद्यालय की पात्रता परीक्षा पास करके प्रवेश दिलाया था तो मुझे बहुत अच्छा लगा था

आदतन अपराधी राज ढोल उर्फ राजबाबू बसोड को एक वर्ष के लिए किया जिलाबदर घोषित

गुना/ कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ए. द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार सगर के प्रतिवेदन के आधार पर जिले के एक आदतन अपराधी को एक वर्ष के लिए जिलाबदर किये जाने के आदेश जारी किए हैं।पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर राज ढोल उर्फ राजबाबू पुत्र रामबाबू बसोड उम्र 27 वर्ष, निवासी बसोड मोहल्ला पुरानी छावनी गुना को एक वर्ष के लिए जिला गुना एवं उसके आस-पास के जिलों भोपाल, राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा एवं अशोकनगर की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है। साथ ही उन्होंने उक्त आदतन अपराधी को 24 घंटे के भीतर गुना जिला छोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह कार्रवाई म0प्र0 राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की है

परिवार परामर्श शिविर संपन्न 4 परिवारों में हुआ राजीनामा

नवागत पुलिस अधीक्षक का हुआ स्वागत,कुल 6 प्रकरण की हुयी सुनवायी

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम शिवपुरी में परिवार परामर्श का शिविर आयोजित किया गयाशिविर में सुनवाई योग्य कुल 6 प्रकरण को रखा गया जिसमें दोनों पक्ष उपस्थित हुए थे?। आज के शिविर में नवागत पुलिस अधीक्षक श्री रघुवीर सिंह जी का पुष्पगुच्छ के द्वारा स्वागत किया गया और इस अवसर पर पदेन सदस्य पुलिस अधीक्षक की धर्मपत्नी जी का भी महिला परामर्श दाताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया,। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह ने कहा कि मैं प्रदेश की श्रेष्ठ परामर्श समिति में शुमार शिवपुरी की इस समिति के कार्यों को देखकर अभिभूत हूं और हम सभी मिलकर इस क्षेत्र में और बेहतर काम करने का प्रयास करेंगे ताकि अधिकाधिक परिवारों को बिखरने से बचाया जा

सकेपरिवार परामर्श केंद्र के परामर्श दाताओं के सफल प्रयासों से 6 प्रकरणों में से 4 प्रकरणों में राजीनामा कराने में सफलता प्राप्त हुई और इस तरह 4 परिवारों को बिखरने से बचा लिया गयाशिविर में सबसे रोचक प्रकरण पूरा निवासी रामपाल कथा जिसका विवाह कोलारस निवासी सलोनी के साथ 10 साल पूर्व संपन्न हुआ था और उनके 7 साल की बेटी और 4 साल का बेटा भी था इन दोनों के बीच विवाद का विषय बेटी और बेटे को स्कूल में ना पढ़ाना और पति की शराब खोरी थी जबकि रामपाल एक संपन्न किसान है। परामर्श दाताओं के द्वारा बड़ी गहनता के साथ मामले को समझा गया और पति को समझाइश दी गई जिसका गहरा प्रभाव उसके मन पर पड़ा अब वह अपनी बेटी और बेटे दोनों का स्कूल में न केवल एडमिशन कराएगा बल्कि पढ़ाई पर भी ध्यान देगा और शराब छोड़ने की मनसे कोशिश करेगा इस समझाइश के बाद दोनों पति पत्नी एक साथ करेरा चले गएलुधावली निवासी असलम का विवाह अशर्फी के साथ 2 साल पूर्व हुआ था और उसके 1 साल का बेटा भी था इन दोनों में विवाद और परेशानी की वजह ननद थी और अशर्फी का ऐसा मानना था कि उसके कारण पति पत्नी के बीच कलह है और परेशानी रहती है इसी के चलते वह पति से अलग रह रही थी। परामर्शदाता के द्वारा समझाइश दिए जाने पर अब अशरफ अलग मकान लेकर अपनी पत्नी के साथ रहेगा हबीब खान निवासी झांसी का विवाह 4 साल पूर्व शानू शिवपुरी के साथ संपन्न हुआ था और उनकी 1 साल का बेटा है । इन दोनों के बीच विवाद की वजह पत्नी के द्वारा मोबाइल पर अत्यधिक बात करना है जिसके चलते पति पत्नी के बीच शक पैदा हो गया जो बाद में विवाद में बदल गया । इसी के चलते शानू विगत एक माह से ससुराल में रह रही थी। परामर्शदाता के द्वारा समझाइश दिए जाने पर अब शानू मोबाइल का उपयोग जरूरत पड़ने पर ही करेगी और दिन भर मोबाइल पर बात नहीं करेगी इसके चलते इन दोनों के बीच समझौता संपन्न हो गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदोरिया एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया जिला संयोजक आलोक एम इंदौरिया महिला थाना प्रभारी कोमल परिहार, कंट्रोल रूम प्रभारी विजेंद्र राजपूत, पुष्पा खरे, स्नेह लता शर्मा, बिंदु छिब्बर, प्रीति जैन, श्वेता गंगवाल, आकांक्षा गौड, गुंजन शर्मा नम्रता गर्ग मृदुल राठी, मथुरा प्रसाद, भरत अग्रवाल, समीर गांधी, संतोष शिवहरे, हरवीर, राजेंद्र राठौर ,राहुल गंगवाल, राजेश गुप्ता, राकेश शर्मा, डॉ इकबाल, सुरेंद्र साहू, डॉ विजय खन्ना उपस्थित थे

दाल बाजार में थोक दुकानदार पर कार्रवाई में 2 क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 10 हजार का जुर्माना ठोका

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त ग्वालियर के लिए सोमवार से अभियान शुरु, विधानसभावार दल गठित कर छापामार कार्रवाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त ग्वालियर के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। अभियान के प्रथम दिन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में गठित दलों द्वारा क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण, भंडारण, क्रय एवं विक्रय करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पूर्ण रूप से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को बंद करने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाकर आम नागरिकों को पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के नुकसान को लेकर जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। इसके बाद भी कुछ लोगों द्वारा इनका उपयोग किया जा रहा है।आज से नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह के निर्देशन में विधानसभावार दल गठित कर छापामार कार्रवाई की जा रही है। प्रदूषण नियंत्रण मंडल दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक सक्सेना की उपस्थिति में दाल बाजार क्षेत्र में

थोक दुकानदार पर कार्रवाई कर लगभग 2 क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 10 हजार का जुर्माना लगाया। कार्रवाई में उपायुक्त सत्यपाल चौहान, भवन अधिकारी पवन शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान, गौरव परिहार एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ग्वालियर के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही पागल खाने से भूतेश्वर तक स्वच्छता रैली एवं अमानक पॉलीथिन पकडों अभियान चलाया। जिसके तहत दुकानों से सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन जब्त की गई तथा कागज के लिफाफे रखवाए गए एवं रोको टोको के माध्यम से आमजन को समझाइश भी दी गई। इस छापामार कार्यवाही के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी अजय ठाकुर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी विक्रम तोमर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं माधोगंज क्षेत्र में लोगों को समझाइश दी गई तथा लगभग दो किलो पॉलीथिन जब्त कर एक हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया।

थाना बहोड़ापुर पुलिस ने दो तस्करों को 11 किलो 600 ग्राम गांजा सहित किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल(भापुसे) के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थो व अवैध शराब की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 30.04.2023 को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना बहो?ापुर क्षेत्रान्तर्गत मूर्ति पहाड़िया पर दो संदिग्ध व्यक्ति काले रंग की स्प्लेण्डर मोटर साइकिल पर गांजा बेचने की फिराक में देखे गये हैं। उक्त सूचना पर से अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे द्वारा थाना बहोड़ापुर पुलिस की टीम बनाकर सूचना की तस्दीक कर गांजा तस्करों को पकड़ने हेतु भेजा गया।

गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर मालनपुर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम मैं 150 से अधिक भाई-बहन होंगे समर्पित

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर,,, ग्वालियर इटावा हाईवे 719 राजमार्ग पर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मालनपुर गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर महाराजपुरा मैं 3,मई से तीन दिवसीय कार्यक्रम मैं दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह दिव्य संकल्प समारोह एवं दिव्य बुद्धि समर्पण समारोह संपन्न होगा बीके अवधेश दीदी राष्ट्रीय संयोजिका प्रशासक सेवा विभाग एवं क्षेत्रीय निर्देशिका भोपाल जोन ने प्रेस वार्ता में बताया की महाराजपुरा ब्रह्माकुमारी आश्रम पर तीन दिवसीय समर्पण महोत्सव कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है जिसमे 150 से अधिक भाई बहनों का समर्पण दिवस कार्यक्रम संपन्न होगा पूरे भारतवर्ष से सभी भाई बहन आकर अपने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मालनपुर आश्रम में समर्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे के लिए क्षेत्र से लगभग 5000 से अधिक की संख्या में उपस्थिति रहेगी प्रेस वार्ता में भोपाल जोनल हेड बीके अवधेश बहिन जी बीके निर्मला बहन जी रीवा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता बीके रानी बहन जी सतना बीके रेखा बहिन पोरसा बीके सुनीता बहन जी होशंगाबाद आदि वरिष्ठ बहिनों ने उपस्थिति स्थिति दर्ज कराकर प्रेस वार्ता में सम्मिलित हुए

दिल्ली में राष्ट्रीयस्तर पर हुआ देवहरि सीरवी के काव्य संग्रह

जश्न-ए-मोहब्बत ' पुस्तक का विमोचन

पुष्पाजंली टुडे

नई दिल्ली।सी. सुब्रमण्यम हॉल पूसा अनुसंधान केंद्र में आयोजित ÷अखिल भारतीय वेद विज्ञान सम्मेलन में राजस्थान के लेखक देवहरि सीरवी की पुस्तक ÷जश्न-ए-मोहब्बत ÷ का विमोचन हुआ । जश्न-ए-मोहब्बत से अभिप्राय हर पारिवारिक रिश्ते,धर्म और संस्कृति में प्रेम का उत्सव बना रहना बताया गया है ।साहित्य जगत के मशहूर चेहरे ÷ डॉ. कुमार विश्वास और मनोज मुंतशिर शुक्ला जी ने भी पुस्तक की समीक्षा सहित बधाई संदेश भेजा है ।सीरवी समाज के धर्मगुरु माधव सिह ने भी प्रसंशा करते हुवे अपनी समीक्षा भेजी और हर सामाजिक बंधु से निवेदन किया की अपने सीरवी की पुस्तक को एक बार अवश्य ख़रीदे और साहित्य के प्रति समाज के युवाओं का समर्थन करे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृषि मंत्री नरेंद्र सिह तोमर मुख्य अथिति ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष केंद्रीय राज्यकृषि मंत्री कैलाश चौधरी पावन सानिध्य पूज्य स्वामी चिंदानंद सरस्वती जी , सुमेधानंद सरस्वती जी के साथ साथ पूरे देश से राजनीति जगत,,साहित्य जगह व वैदिक शोधार्थी कार्यक्रम के शुभारंभ छत्र में उपस्थित रहे ।राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल महासचिव डा. देवश प्रकाश ,अध्यक्ष धर्मेंद्र शास्त्री द्वारा पुस्तक विमोचन की गई ।इस पुस्तक बिक्री से होने वाले लाभ को गो संरक्षण एवं भारत के वीर अभियान .में दान देने की घोषणा लेखक द्वारा की गई हे । देवहरि सीरवी मूलत राजस्थान पाली ज़िले के रामपुरा कलाँ गाँव के सीरवी किसान परिवार से आते हे 7हाल ही में दिल्ली में अपना व्यवसाय के साथ साहित्य कविताएँ ,गीत जो की राजस्थानी और हिन्दी भाषा में लिखने की रुचि रखते हे 7आने वाले वक़्त में भी साहित्य एवम् हिन्दी, राजस्थानी कविताओं के क्षेत्र में अपना योगदान देते रहेगे

विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्वघुमन्तु वर्ग के व्यक्ति शासन की योजनाओं का लाभ लें

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रभारी सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण वि.घु. एवं अर्द्व घु. जनजाति विकास भिण्ड द्वारा बताया गया है कि विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्व घुमन्तु वर्ग के व्यक्तियों को रोजगार प्रारंभ करने हेतु शासन की योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन कर सकते हैं। जिनकी आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य है एवं उक्त जाति का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो एवं आयकरदाता न हो लाभ ले सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए कार्यालय पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण कलेक्ट्रेट भवन से संपर्क कर किया जा सकता है।

जैतारण विधायक अविनाश गहलोत का बेंगलुरू मै स्वागत किया गया

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। फूलो की नगरी बेंगलुरू में राजस्थान पाली जैतारण के विधायक अविनाश गहलोत का स्वागत विजय नगर में उद्योगपति एवं समाजसेवी रामसिंह कुल्हरी के निवास पर स्वागत और अभिनंदन किया गया। जाट समाज द्वारा इस मौके पर जयसिंह कुल्हरी, झुंझुनू जिला प्रमुख श्रीमती हर्षिनी अतुल कुमार,अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के पुत्र सुभाष चौधरी, बेंगलुरु जाट समाज के अध्यक्ष कालूराम लामरोड बूटीवास, सचिव रामनिवास ककड़ावा आसरलाई,थानाराम करेसिया झुझण्डा, गणपतलाल अकोदिया बिलाड़ा, महेंद्र इनाणिया फालका सहित अन्य प्रमुख प्रवासी बंधु भी उपस्थित रहें।

शुक्ला परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में पहुंचे युवराज महा आर्यमन सिंधिया

युवराज महा आर्यमन सिंधिया ने श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ की आरती कर श्रद्धालुओं का किया अभिवादन

भागवत कथा के तीसरे दिन सती चरित्र धोब अवतार कपिल मुनि अवतार की कथा का हुआ प्रसंग गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस/ मुरैना जिले के नगर कैलारस में आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज रोड पर स्थित शुक्ला फार्म हाउस में शुक्ला परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन विगत दो दिवस पूर्व शनिवार से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रारंभ हुआ जिसमें गत दिवस सोमवार को कथा के दौरान ग्वालियर रियासत के महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र युवराज महा आर्यमन सिंधिया ने भागवत कथा में शामिल होकर श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ और भगवान जी की आरती कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया भागवत कथा का रसपान किया !यहां बता दें कि उक्त कथा के आयोजक परीक्षक बनवारी

लाल शुक्ला सप्तनिक श्रीमती किशोरी शुक्ला और परिवार जनों के साथ श्रद्धालुओं के साथ सर्वप्रथम भगवान श्री हरि विष्णु और भगवत गीता की पूजा अर्चना कर वृंदावन से पधारे पंडित डॉ श्याम सुंदर पाराशर अंतर्राष्ट्रीय संत के मुखारविंद से कथा के प्रसंग का वर्णन सुनाया जा रहा है गत दिवस सोमवार को महा आर्यमन सिंधिया ने पहुंचकर कथा का रसपान किया इस दौरान शुक्ला परिवार द्वारा महा आर्यमन सिंधिया को प्रतीक चिन्ह भेंट कर माल्यार्पण कर स्वागत किया गया !सोमवार को कथा मैं सती चरित्र ध्रुव अवतार कपिल मुनि अवतार के प्रसंगों का वर्णन पंडित डॉ श्याम सुंदर पाराशर ने बड़े ही मार्मिक और सटीक ढंग से अपनी वाणी से चित्रण किया प्रसंगों का वर्णन करते हुए आचार्य श्यामसुंदर ने कहा कि भगवान विष्णु ने पांचवा अवतार कपिल मुनि के रूप में लिया है इनके पिता का नाम महर्षि कर्दम और माता का नाम देवहूति था जब भीष्म सरसैया पर पड़े हुए किताबों के शरीर के त्याग के समय वेदव्यास आदि ऋषियों के साथ भगवान कपिल मुनि जी भी यहां उपस्थित थे भगवान कपिल मुनि जी सांख्य दर्शन के प्रवर्तक है श्री भगवान कपिल महामुनी जी भागवत धर्म के प्रमुख बाहर आचार्य में से एक हैं पंडित श्याम सुंदर पाराशर महाराज ने आगे बताया कि भगवान शिव की अनुमति लिए बिना उमा अपने पिता दक्ष द्वारा आयोजित यज्ञ में भाग लेने पहुंच गई यज्ञ में भगवान शिव का आमंत्रण और उनका भागना दिए जाने पर कुपित होकर सती ने यज्ञ कुंड में आहुति देकर अपने प्राण त्याग दिए! इस दौरान आचार्य जी के मधुर भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु गणगौर माता बहने अपने आपको नाचने - गाने और झूमने से ना रोक पाए कथा का रसपान करते हुए सभी श्रद्धालु झूमने लगे माहौल काफी भक्ति मय हो रहा था !वही आचार्य जी ने भक्त ध्रुव की कथा का बड़ा सटीक वर्णन किया जिस पर श्रद्धालु बड़े ही मार्मिक हो गए श्रद्धालु बड़े ध्यान पूर्वक कथा का रसपान कर रहे थे इस दौरान कथा के आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए समुचित जलपान भोजन व्यवस्था भी रखी गई !कथा उपरांत महा आर्यमन सिंधिया ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि ग्वालियर चंबल अंचल सहित सारे देश का युवा हमारा है युवाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए चाहे राजनैतिक क्षेत्र हो , चाहे सामाजिक क्षेत्र, उद्योग व्यापार का क्षेत्र हो सिंधिया परिवार हमेशा अपने ग्वालियर चंबल अंचल के साथ है और ग्वालियर चंबल अंचल के युवाओं के साथ में स्वयं खड़ा हूं ग्वालियर चंबल अंचल मेरा परिवार है आज कैलारस में शुक्ला परिवार द्वारा आयोजित कथा में आकर कथा का रसपान कर मुझे असीम आनंद की अनुभूति हुई है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता ! कथा के दौरान सभी व्यवस्थाएं आयोजकों द्वारा सुचारू संपन्न कराई जा रही थी इस अवसर पर श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में

ग्राम कोठा बुजुर्ग मे कुमावत मारू समाज का मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह सम्मेलन में 11 जोड़ों का हुआ लगन पहुंचे क्षेत्रीय विधायक डावर

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

टांडा बरूड़ निप्र समिप ग्राम कोठा बुजुर्ग मे कुमावत मारू समाज का 11 जोड़ों का पंडित विजय गिते ग्राम उमरखली द्रारा रिति रिवाज से लगन लगाये एवं पंडित द्रारा बताया गया की समाज के गरीब परिवार फिजुल ख़र्च से बचे सामुहिक विवाह में आने वाले समय में सम्मिलित हो सभी की एकता बनीं रहे आयोजन में भगवानपुरा धुलकोट विधानसभा क्षेत्रीय विधायक केदार डावर भी पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों में संयुक्त कलेक्टर सिराली जैन गोंगांवा जनपद सिईओ आरीफ खान ने बताया गया की मुख्यमंत्री योजना के तहत कुमावत मारू समाज के 11 जोड़ों का लगन हुआ है जिसमें से 9 जोड़ों को शासन का लाभ दिया जाएगा जिनका पंजियन हुआ है अन्य दो जोड़ो का कारण वंश लाभ नहीं दिया जायेगा इस योजना में दान दाताओं द्रारा भी बढ़कर हिस्सा लिया गया समाज के सेकटरी विनोद जिलावानिया एवं ग्राम के उप-सरपंच दिलिप कुमावत एवं आयोजन कर्ता कुमावत मारू समाज समिति का योगदान रहा

जनसुनवाई में कलेक्टर ने आवेदनों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्ट्रेट में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर के समक्ष 58 आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर जेपी सैयाम, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन सहित अन्य अधिकारी, शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुघर्टना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं में बैंक ऋण, बीपीएल राशन कार्ड, जमीन पर कब्जा एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराने से संबंधित आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए कि आवेदकों की ओर से प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदनों पर गंभीरता के साथ कार्यवाही कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए साथ ही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराएं।

गांधी दर्शन से गहरे प्रभावित रहे हैं डिसिल्वा

राजधानी दिल्ली की मुख्य सड़कों पर उस दिन की सुबह ट्रैफिक बढ़ना शुरू ही हुआ था कि उसे पुलिस ने रोक दिया। पूछने पर पता चला कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा राजघाट पहुंच रहे हैं महात्मा गांधी की समाधि पर फूल चढ़ाने के लिए। उम्मीद थी कि लूला राजघाट से 15-20 मिनट में वापस चले जायेंगे, पर यह नहीं हुआ। वे राजघाट में करीब 35 मिनट तक रहे। समाधि पर फूल चढ़ाने के बाद वे राजघाट में उनके स्वागत के लिए खड़ी गांधीवादी निर्मला देशपांडे जी से गांधी जी के जीवन संघर्षों के बारे में सवाल पर सवाल करने लगे। राजघाट से विदा होने से पहले उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा कि 'मैं शांति के दूत महात्मा गांधी की समाधि पर आकर अपने को बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। गांधी के जीवन का उन पर गहरा प्रभाव रहा।' लूला राजघाट में 4 जून, 2007 को आये थे।

लूला ब्राजील के फिर से राष्ट्रपति चुने गये हैं। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को हरा दिया है। जायर बोल्सोनारो साल 2020 में भारत की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे। वे उस यात्रा के समय राजघाट भी गये थे। बहरहाल, लूला ने अप्रत्याशित रूप से वापसी करते हुए ब्राजील की दक्षिणपंथी सरकार का अंत किया। लगभग एक दशक के बाद लूला ने बोल्सोनारो के 49.2 फीसद वोटों की तुलना में 50.8 फीसद वोट पाकर चुनाव जीत लिया है।

लूला 2003 से लेकर 2011 तक ब्राजील के राष्ट्रपति के रूप में भारत की सरकारी यात्रा पर तीन बार आये। इस दौरान भारत में अटल बिहारी वाजपेयी तथा डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। वे 2004 की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि थे। उनका 2004 का भारत दौरा इस मायने में विशेष था क्योंकि उनके साथ ब्राजील के 100 टॉप के बिजनेस लीडर्स भी आये थे। उनका संबंध 78 अलग-अलग कंपनियों से था। वे भारत-ब्राजील आपसी व्यापार को गति देने के सदैव हिमायती रहे। दोनों देश कृषि, खान, ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संचार व रक्षा आदि क्षेत्रों में सहयोग करते हैं। दोनों ब्रिक्स समूह के सदस्य भी हैं।

जनता के दिलों से जुड़े लूला जब भी भारत आये तो उन्होंने भारतीय नेताओं, कारोबारियों और बाकी लोगों को अपने व्यवहार तथा ज्ञान से प्रभावित ही किया। वे सबसे मित्रवत्‌ मिलना पसंद करते रहे। उन्होंने राजघाट में सामान्य कर्मियों से भी हाथ मिलाया था। असल में, उन्होंने गरीबी को करीब से देखा है और जिंदा रहने के लिए बूट पॉलिश भी की है। इसलिए उनकी सोच गरीब-गुरबा के पक्ष में रही है। लूला उन विश्व नेताओं में रहे हैं जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट देने का हमेशा पुरजोर तरीके से समर्थन किया। दोनों देश चाहते हैं कि उन्हें यूएनएससी की स्थायी सदस्यता मिले और वे एक-दूसरे का इस विषय में समर्थन करते हैं। दोनों देश मानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों की भागीदारी हो क्योंकि दोनों का ही अंतर्निहित दर्शन कहता है = यूएनएससी को अधिक लोकतांत्रिक, वैध और प्रतिनिधि होना चाहिए।

लूला को सन्‌ 2012 में शांति और निरस्त्रीकरण के लिए इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। हालांकि उन्हें यह पुरस्कार दिये जाने की घोषणा 2010 में हो गई थी। ब्राजील में गरीबी उन्मूलन और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए लूला को यह पुरस्कार दिया गया।

लूला ने इस मौके पर कहा कि यह पुरस्कार पूरे ब्राजील के लिए है। लूला को सम्मानित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा था कि लूला की कोशिशों के दम पर ही उनके देश के 2 करोड़ लोग गरीबी के दलदल से बाहर निकल सके।

इस बीच, लूला को पता ही होगा कि भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रेमी ब्राजील की फुटबॉल टीम और उसके सितारों को चीयर करते रहे हैं। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों की ब्राजील को लेकर निष्ठा शुरू से रही है। हालांकि लैटिन अमेरिकी स्पेनिश भाषी ब्राजील देश भारत से हजारों किलोमीटर दूर है, पर हमारे फुटबॉल प्रेमी ब्राजील में ही भारत की छाप को देखते हैं। पेले, रोमोरियो से लेकर रोनोल्डो जैसे ब्राजील के खिलाड़ियों ने भारत में अपनी खास जगह बनाई हुई है।

भारत उम्मीद करेगा कि ब्राजील की तरफ से भारत को उसके चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद पर समर्थन मिले। याद नहीं आता कि ब्राजील या किसी अन्य ब्रिक्स के सदस्य देश ने कभी भारत के हक में आवाज बुलंद की हो। दरअसल, दुनिया भर में आतंकवाद से लड़ने के मामले में भी भारत को छोड़कर शेष ब्रिक्स देशों की लुंज-पुंज नीति इसकी उपयोगिता पर ही सवाल खड़े करती है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए दुनियाभर में आतंकवाद के बढ़ते खतरों पर अपनी चिंता जताते हुए, संकेतों में ही सही, चीन और पाकिस्तान को आड़े हाथों लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ब्रिक्स यानी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का संघ। इसमें ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। रूस को छोड़कर ब्रिक्स के सभी सदस्य विकासशील या नव औद्योगीकृत देश ही हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था विश्व भर में वर्तमान में सबसे तेजी से बढ़ रही है। बहरहाल, लूला विश्व नेता हैं। उनसे भारत उम्मीद करेगा कि वे भारत की चिंताओं से चीन को अवगत करवायेंगे।

संपादकीय

नासूर बनते नक्सली

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एक बार फिर हुए नक्सली हमले के निष्कर्ष साफ हैं कि सरकारों के दावों के बावजूद नक्सलियों की ताकत पूरी तरह कम नहीं हुई है। यह भी कि बार-बार बड़ी संख्या में जवानों को खोने के बावजूद हमने अतीत की घटनाओं से कोई सबक नहीं सीखे हैं। संचार क्रांति के दौर में मुकाबले के लिये उपलब्ध संसाधनों व हथियारों के बावजूद हम यदि उनके हमलों का आकलन नहीं कर पा रहे हैं तो यह हमारे खुफिया तंत्र की विफलता का भी परिचायक है। दरअसल, सफल ऑपरेशन करके लौट रहे रिजर्व बल के जवानों का बारूदी सुरंग की चपेट में आना बताता है कि यह नक्सलियों की हताशा से उपजा हमला ही है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में देश के कई इलाकों में सुरक्षाबलों के साझे अभियानों में नक्सलियों को बड़ी क्षति हुई है। कई बड़े नक्सली नेताओं के खात्मे और गिरफ्तारी के बाद उनकी गतिविधियों का इलाका सिमटा जरूर है, लेकिन खत्म नहीं हो पाया है। निस्संदेह, पुलिस प्रशासन के सामने यह एक बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करने के लिये बहुआयामी रणनीति बनाने की जरूरत है। पुलिस व कानून अपना काम करेंगे, लेकिन कोशिश हो कि नक्सलियों का जनाधार कम किया जाये। विकास के मॉडल की विसंगतियों के चलते जिन इलाकों में विकास की रोशनी नहीं पहुंच पायी है, वहां सामाजिक न्याय के अनुकूल वातावरण बने। लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। जिससे स्थानीय लोग नक्सलियों के प्रवाह व दबाव से मुक्त हो सकें। लोगों को समझाना होगा कि लोकतंत्र में गनतंत्र की कोई जगह नहीं है। ऐसा माहौल बनाया जाये कि हमारे समाज के भटके लोगों से संवाद की कोशिश को

सामंजस्य

समय के हिसाब से सीखो खुद को बदलना,
गिरे हो जब बार- बार तो सीखो संभलना,
अग्नि की तरह खुद तप औरों को तपा,
पाने से पूर्व थोड़ा मन को भी खफा,
जल भी बेरोकटोक जगह बना लेता,
महान वही होता है जो भूखों को देता,
जिंदगी है बेजोड़ न बोल बुरे वाक्य,
नहीं मुश्किल जीवन में बनाना सामंजस्य।

नदी की है तेज धार तो कुछ समय रुक,
खड़े हैं ज्ञानवान उनके आगे झुक,
आग से लाल लोहे पर कर वार,
लगी है आग तेज पानी उस पर डाल,
छिड़ा है वाक युद्ध हो कुछ समय मौन,
बोलकर ही जाओगे तो सुनेगा कौन
विचार का है मुद्दा न करो हास्य,
नहीं मुश्किल बनाना सामंजस्य।

दूरियां मिटने को करनी होगी पहल,
डराएगा दुश्मन तो दिल न जाए दहल,
किसी ने दिया दुख तो कर नजरअंदाज,
दूसरों की छोड़ नकल रख अपना अंदाज,
जो भटके हैं बन उनका प्रेरणा स्रोत ,
रखी जमाने की परख होकर ओतप्रोत,
बनना है ऊँचा तो छोड़ स्वभाव दास्य,
नहीं मुश्किल बनाना सामंजस्य।

है तराजू हाथ में सही तोल कर दिखा,
कानून न्याय व्यवस्था को सही से दिखा,
जो मिला है काम उसे सही से निभा,
किया है भला किसी का उसे भूल जा,
करना वही काम हो शांति स्थापित,
करेगा भला रहेगा प्रसन्न चित्त,
अच्छे कर्म का अच्छा फल होगा प्राप्य,
नहीं मुश्किल बनाना सामंजस्य।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

हिमालयी भूलों के असली गुनहगार

भारत पर चीन की चढ़ाई के 60 साल पूरे होने पर अवसर है इस राष्ट्रीय दुर्भाग्य के 'दोषियों' (कल्पाबिलिस) की भूमिका की विवेचना करने का। 'कल्पा' लैटिन भाषा का शब्द है जिससे आगे 'कल्पाबिलिस' बना है अर्थात 'दोषी', लिहाजा यह शब्द टाली जा सकने वाली इस घटना की नैतिक जिम्मेवारी को परिभाषित करता है। तथापि, 1962 में भारतीय सेना की करारी हार टाली जा सकती थी या नहीं, यह आज भी बहस का विषय है।

1962 के युद्ध की चर्चा अधिकांशतः तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू और उनके रक्षामंत्री वीके कृष्ण मेनन की भूमिका पर केंद्रित रहती है और हर कोई इन्हें ही मुख्य दोषी मानता है। आज भी यह चर्चा होती रहती है कि जिन लोगों की जिम्मेवारी सीमा पर दुश्मन का सामना करने हेतु सेना की माकूल तैयारी करवाना थी, यह फर्ज निभाने में वे अपनी काबिलियत या नाकाबिलियत किस हद तक सिद्ध कर गए। किंतु यह तय करने अथवा उन पर लगे इल्जामों का ग्रहण मिटाने को किसी किस्म के तथ्य-खोजी प्रयास नहीं हुए।

ऐसे में सवाल उठने लाजिमी हैं, क्योंकि तत्कालीन सिविल और सैन्य नीति निर्माता, दोनों ही, अपने काम में बुरी तरह असफल रहे और युद्ध में मिली शर्मनाक हार के कारणों का इल्जाम खुद पर लगने की पूरी जमीन तैयार कर दी। इस बारे में कोई शक नहीं कि देश के रक्षा तंत्र की जिम्मेवारी तत्कालीन प्रधानमंत्री और उनके नजदीकी रक्षामंत्री मेनन पर थी। फिर भी, तत्कालीन नौकरशाहों की भूमिका पर शायद ही कभी ध्यान दिया गया है। सेना विफल रही और इसके लिए आलोचना भी झेली पर कोई उस वक्त के शीर्ष नौकरशाहों की कारगुजारी के बारे में क्यों नहीं बात करता? हालात कितने भी उथल-पुथल भरे या भड़काऊ रहे हों, कभी अपनी दृढ़ता के लिए विख्यात पूर्व ब्रिटिश राज द्वारा बनाया गया प्रशासनिक तंत्र इस कदर कैसे ढह सकता था, इसको लेकर खिंचाई क्यूं नहीं हुई? क्या रक्षा मंत्री ने सेना द्वारा सरकारी अनुमति के लिए भेजे प्रत्येक प्रस्ताव पर फैसला लेने में अपनी नहीं चलाई? विषय चाहे राजनयिकों और मंत्रालय कर्मियों की उच्चस्तरीय बैठकों के माध्यम से गोलियां-तोपें खरीदने का हो या टैंक अथवा टैंकरों का, मशीनगन हो या विशेष शीत-युद्ध वर्दी का या फिर हिमालयी सीमा के नक्शों का, हरेक में यह नौकरशाह हावी नहीं रहे? क्या तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सेना की बजाय सिविल नौकरशाहों की क्षमता और काबिलियत पर अगाध भरोसा और विश्वास नहीं किए रखा? क्या वे राजनीतिक नेतृत्व के आंख और कान नहीं थे?

हकीकत को गहराई से जानने को हमें चीनियों की हिरासत में छह महीने और 12 दिन बतौर युद्धबंदी रहे ब्रिगेडियर जॉन दलवी की लिखी कुछ पंक्तियों का संदर्भ लेना होगा। दिल्ली पहुंचने पर वे तत्कालीन सेनाध्यक्ष से मुलाकात करने गए, दलवी ने सेना प्रमुख के बोलों को शब्दशः दोहराया है = 'रिपोर्ट लिखो... ताकि हमें सीखने को मिले और भविष्य में तश्तरी में रखकर ब्रिगेड चीनियों को न देनी पड़े।' कितनी हैरानी की बात है! क्यों नहीं किसी को यह सीधा और मूल सवाल सूझा कि कब, क्यों और किसके आदेश पर 'तश्तरी पर रखकर ब्रिगेड चीनियों को' देने की नौबत बनी? क्या यह हालात तत्कालीन प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री से फैसलों से बने? निजी या सामूहिक तौर पर? इस प्रकार के फैसले क्या सैन्य कमान की आदेशात्मक श्रृंखला को हाशिए पर रखना नहीं था? सेना की हमलावर इकाइयों की तैनाती और बंदोबस्त की कमान, नियंत्रण और संदेश का तंत्र वास्तव में किसके अधीन होना चाहिए था?

विडंबना कि इसका जवाब युद्धबंदी रहे ब्रिगेडियर दलवी की कलम से ही निकला है, जिन्होंने प्रभावशाली ढंग से 1962 युद्ध के संपूर्ण पहलुओं का बखान- निर्मम ईमानदारी से- महज 6 पंक्तियों में किया = '1962 एक राष्ट्रीय विफलता थी, जिसका दोषी प्रत्येक भारतीय है। यह प्रशासन के उच्च स्तर पर युद्ध परिचालन की नाकामयाबी है। विपक्ष की असफलता है। मुझ सहित सारी फौज की हार है। यह जिम्मेवाराना जनविचार और प्रेस की भी असफलता है। भारत सरकार की कहें तो वहां प्रत्येक स्तर पर हिमालयी भूलें हुई हैं।'

यह युद्ध भारत-चीन द्विपक्षीय रिश्तों का परिदृश्य बयान करता है, जिसकी प्रस्तावना एक दशक पहले से लिखी जाने लगी थी। सही मायनों में, भारतीय राजनीति के तत्कालीन अगुवा अनाड़ी किंतु भली नीयत वाले थे न कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के रक्तपिपासु तानाशाह की तरह कपटी, निर्मम और स्वार्थी। भारत ने अपनी आजादी की यात्रा 'नियति से साक्षात्कार' अवस्था और 'मेरे मन भी सपना है' वाली सोच से शुरू की थी। सही या गलती से, आजाद भारतीय नेतृत्व ने राजनीतिक खूनखराबे की राह कभी भी नहीं पकड़ी और यहीं पर अपने इलाकाई हक को लेकर यथेष्ट आक्रामकता रखने में भारतीय नीतियों की कमजोरी आड़े आ गई। अहिंसा का चाव और विवादित मुद्दों पर भारत द्वारा अपनाई गई राजनयिक राह चीन की युद्ध अभ्यस्त सेना और नेताओं के इरादों से मेल नहीं खाती, जिनका रिकार्ड 25 बरस चले गृहयुद्ध में 2 करोड़ से अधिक अपने लोगों की हत्या का था। इसलिए 1962 की विद्रूपता यह है कि 1958 तक हिमालयी सीमा को लेकर हिंदुस्तान-हान मैत्री में रार का लेशमात्र भी संकेत नहीं था। भारत और चीन के बीच संबंध अत्यंत मधुर थे। दोनों के लिए सीमा के पूरबी छोर पर सुस्पष्ट निशानदेही वाली मैकमोहन रेखा ही असल सीमारेखा थी। जबकि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और सेना की महत्वाकांक्षा पश्चिमी प्रभाग (तिब्बत-शिनजियांग गलियारा) में अलग थी।

इसलिए दोनों मुल्कों के लिए तसल्लीबख्श स्थिति पाने के लिए आवश्यक था राजनयिक माध्यम से समझौते की मेज पर संधि बनना। लेकिन यह होना नहीं था और युद्ध से पाला पड़ा।

1962 के युद्ध पर विदेशी पत्रकार नेविले मैक्सवैल द्वारा जुगत लगाकर पाई गई अति-गोपनीय भारतीय सैन्य जांच रिपोर्ट के आधार लिखी पुस्तक 'भारत का चीन युद्ध' उस समय सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में एक रही। हालांकि मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत से प्राप्त इस रिपोर्ट पर आधारित यह लेखनी इससे अधिक पक्षपाती और एकतरफा नहीं हो सकती, क्योंकि चीनी दस्तावेजों तक पहुंच बनाए बिना केवल भारत की लोकतांत्रिक नीति को दोषी मानना कहां का न्याय है। यह रिपोर्ट लीक होना प्रशासनिक गोपनीयता कानून-1923 के तहत अपराध है, इसके बावजूद किसी को पकड़ा तक नहीं गया। अधिकारियों के इस गैर जिम्मेवाराना और आपराधिक कृत्य का है किसी के पास जवाब?

सच है कि 1962 की हार की जिम्मेवारी प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तक जाकर खत्म होती है लेकिन इन्हीं प्रधानमंत्री ने अनेकानेक मौकों पर चीन के 'द्वेष और धूर्तता' का जिक्र किया था, यहां तक कि 20 नवम्बर, 1950 जैसे आरम्भिक समय में भी, लोकसभा में अपनी प्रतिबद्धता के साहस का परिचय देते हुए (जब चीन ने तिब्बत पर चढ़ाई कर हड़पा था) कहा = 'हमारे नक्शे दिखाते हैं कि मैकमोहन रेखा हमारी सीमारेखा है और यह हमारे लिए सीमारेखा है, नक्शा हो या न हो। तथ्य यही है, हम इस रेखा पर अडिग हैं और किसी को इस सीमा के पार आने नहीं देंगे।'

हालांकि 1950 में उन्होंने ये बोल बेधड़क होकर कहे थे किंतु जो कुछ अक्तूबर-नवम्बर 1962 में हुआ, वह भारी पतन था। ईमानदार नीयत का भयावह क्रियान्वयन। यहां फौज की एक कहावत याद आती है = 'खराब सैनिक नहीं, खराब कमांडर होता है।' इसी तर्ज पर सिविल संदर्भ में कहें तो = 'खराब नागरिक नहीं, खराब शासक होता है'। जो भी है, 1962 की हार के लिए सिविल-सेना तंत्र अपनी संयुक्त जिम्मेवारी से बच नहीं सकता।

पूर्वोत्तर में शांति व विकास की पहल

असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक लम्बी अवधि से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को समाप्त कर लिया गया है। 20 अप्रैल को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक समझौते 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर किए। निःसंदेह, लगभग पांच दशक पुराने इस विवाद का समाधान होना वास्तव में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजग सरकार ने पूर्वोत्तर में शान्ति की स्थापना और हिंसा खत्म करने के लिए एनएलएफटी, कार्बी आंगलोग और आदिवासी गुटों के साथ समझौता करवाकर विवादों को समाप्त किया है। इस तरह पूर्वोत्तर में शांति की एक नई पहल शुरू हुई है।

उल्लेखनीय है कि इस सीमा विवाद के हल के लिए चर्चा हेतु गत वर्ष क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था जिसमें मंत्री, स्थानीय विधायक और दोनों राज्यों के अधिकारी शामिल किए गए थे। विदित हो कि असम और अरुणाचल राज्य लगभग 804 किलोमीटर से ज्यादा लम्बी सीमा को साझा करते हैं। 15 जुलाई, 2022 को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 'नामसाई घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर करके इस बात का संकल्प लिया था कि वे दोनों सीमा विवाद का हल निकालेंगे। इसी कारण जुलाई, 2022 से ही दोनों प्रदेशों के मध्य इस मसले पर वार्ता चल रही थी। अब दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इन पर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। अभी कुल गांवों में से 71 गांवों की स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति बन गई है। इनमें से 10 गांव असम राज्य में ही बने रहेंगे और 60 गांव असम राज्य से लेकर अरुणाचल प्रदेश में शामिल किए जाएंगे। एक गांव को अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम राज्य में शामिल किया जाएगा। अर्थात्‌ 71 विवादित गांवों में से 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले और 11 गांव असम प्रान्त को प्राप्त हुए। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश लगातार यह कहता रहा है कि मैदानी हिस्सों में स्थित कई वन क्षेत्र पारम्परिक रूप से पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के हुआ करते थे और उन्हें एकतरफा फैसले में असम राज्य को दे दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। अब शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांवों की सीमाओं का निर्णय आने वाले छह महीनों में कर लिया जाएगा। यह मसला क्षेत्रीय समितियों द्वारा निश्चित किया जाएगा। इस मामले में अब दोनों राज्य कोई नया दावा प्रस्तुत नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतर्राज्यीय सीमा विवाद वर्ष 1972 में शुरू हुआ था। इसी वर्ष असम से अरुणाचल अलग हुआ था। वर्ष 1972 से लेकर वर्ष 1979 तक की अवधि में 396 किलोमीटर की सीमा तय हो गई थी लेकिन सर्वे को लेकर विवाद हो गया और काम रुक गया। दरअसल, अरुणाचल प्रदेश असम के 1000 वर्ग किलोमीटर मैदानी क्षेत्र पर अपना दावा जता रहा था। अलग राज्य बनाए जाने में वर्ष 1951 के एक नोटिफिकेशन को लागू किया गया था।

नंबर वन बनने की ऋतु के किंतु-परंतु

देश में इन दिनों नंबर वन की होड़ा-होड़ी मची है। जित देखूं उस ओर सखी री सामने आए नंबरिया (वन)। हर कोई खुद और अपनी सेवाओं को नंबर वन बताने में लगा है। 'सबको तजो और एक को भजो' टाइप। एक, एक और सिर्फ एक को लेकर पीटे जा रहे ढिंढोरे को सुनकर लगता है, सचमुच वे ही एक नंबर है बाकी सब दो नंबर थे, हैं और रहेंगे। कभी तो दो इंजन, तीन लोक, चार दिशाएं, पंच तत्व, सात समंदर, आठ पहर और नौ ग्रह तक सोच में पड़ जाते हैं कि किसी रोज ऐसा न हो कि हमारे नंबर काट दिए जाएं। औरों के मुकाबले टीवी चैनल बहुत आगे निकल गए हैं। इतने आगे कि कभी तो लघुशंका करते आदमी के पास पहुंच जाते हैं। सबसे पहले। सभी चैनल खुद को नंबर वन बता रहे हैं। सुना था कि जब दो लड़ते हैं एक खड़ता है और दूजा पड़ता है। यह कैसी कुश्ती है जिसमें सब नंबर वन बनकर खड़े हैं? चैनलों के एंकर खुद को चार वेद, अठारह पुराणों के ज्ञाता मान बैठे हैं। गोया संवाददाता न हुए बुद्धिदाता हो गए हों! अच्छे-भले चीखते-चिल्लाते आदमी को चुप कराने का कॉपीराइट उनके पास है, ये बात और है कि खुद गला फाड़ चिल्लाते रहते हैं। आबादी बढ़ाने के मामले में हम बरसों से दो नंबरी रहे। अभी-अभी एक नंबर पर आए तो लगा सरकारें ही नहीं बल्कि अब आम आदमी भी देश को नंबर वन बनाने के बारे में गंभीरता से सोचने लगा है। सोचना भी चाहिए।

मोहना नगर परिषद में लाडली लक्ष्मी उत्सव का किया गया आयोजन

रहीश भैया/ पुष्पांजलि टूडे

महिला बाल विकास विभाग की ओर से शासन के निर्देशन पर लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया। मोहना नगर परिषद के सामुदायिक भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नगर परिषद सीएमओ अशोक कुमार पटेल और भारती जनता पार्टी मोहना के मण्डल अध्यक्ष श्याम पाण्डेय ने सरस्वती पूजन किया और बालिकाओं ने सरस्वती पूजन और स्वागत गीत गाया गया ।कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी देते हुए महिला बाल विकास विभाग से सुपरवाइजर मनीषा यादव और ब्रिटानिया न्यूट्रीशन फाउंडेशन से जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि लाडली लक्ष्मी उत्सव पर लाडलियो को उच्च शिक्षा के लिए स्नातक/ व्यवसायिक पाठयक्रम में प्रवेश लेने पर प्रथम बार प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया। बी एन एफ से जितेन्द्र पाटीदार ने सभी लाडली लक्ष्मी कन्याओं का तिलक लगाकर पूजन किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में

आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। सभी बालिकाओं को बी एन एफ की तरफ से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सभी को पोषण के बारे मे जानकारी दी गई एवं पोषण को लेकर देनिक दिनचर्या क्या होनी चाहिए इसके बारे मे भी विस्तार से समझाया गया साथ ही पोषण वाटिका के लगाये जाने के बारे में बताया गया एवं साथ ही जागरूक करते हुये बताया कि किशोरी बालक बालिकाये किस प्रकार से सुरक्षित रह सकती है कार्यक्रम मैं व्यंजन प्रदर्शनी लगाई गई। और वृक्ष रोपण किया गया।इस कार्यक्रम मे मोहन नगर , नगर परिषद सीएमओ अशोक कुमार पटेल,भारती जनता पार्टी मोहना के मण्डल अध्यक्ष श्याम पाण्डेय नगर पार्षद ,सोनम ब्रजेश अग्रवाल, राजदा निसार खान, पिंकी कमल खत्री, बबली खान, विनोद धाकड, वीरेंद्र रावत बी एन एफ टीम से जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र पाटीदार , महिला बाल विकास विभाग से सुपरवाइजर मनीषा यादव, पल्लवी जैन, सुरुचि गुप्ता, ब्रिटानिया न्यूट्रीशन फाउंडेशन से फील्ड कोडिनेटर अनिल मिश्रा, शिवम शर्मा मीडिया प्रभारी रहीश खान आँगनवाडी कार्यकर्ता प्रियंका उपाध्याय, मोहना की सभी कार्यकर्ता उपस्थित थी।

एटा में लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की स्थापना

ब्यूरो चीफ सोनू कुमार माथुर
पुष्पांजलि टुडे

एटा जनपद न्यायालय एटा के केंद्रीय सभागार में स्थापित लीगल एंड डिफेंस सिस्टम का वर्चुअल ई-उद्घाटन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन में माननीय मुख्य न्यायमूर्ति इलाहाबाद उच्च न्यायालय मुख्य/ संरक्षक उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की श्रीमती सुनीता अग्रवाल व वरिष्ठ न्यायमूर्ति इलाहाबाद उच्च न्यायालय /कार्यपालक अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा माननीय न्यायमूर्ति सूर्य प्रकाश केसरवानी के कर कमलों द्वारा औपचारिक उद्घाटन संपन्न किया गया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस सिस्टम चीफ ने जिला न्यायाधीश अनुपम कुमार को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। तथा सभी उपस्थित न्यायिक अधिकारियों का आभार जताया।कार्यक्रम में उपस्थित जिला न्यायाधीश अनुपम कुमार,परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राज बहादुर सिंह मौर्य, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना प्राधिकरण श्रीमती अल्पना, अपर जिला जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव हिमांशु कुमार सिंह, अपर जिला जजो में नरेंद्र कुमार, वीरभद्र सिंह, विकास गुप्ता, प्रीति श्रीवास्तव, अली रजा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कामायनी दुबे ,अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिल कुमार,आदि के साथ ही काउंसिल के चीफ राधारमण वाष्णेय एडवोकेट, डिप्टी चीफ विकास जैन ,असिस्टेंट शुभम मिश्रा ,कुमारी शालिनी तथा योगेश सक्सेना एडवोकेट मीडियेटर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नरेंद्र कुमार, विनय मौर्य, राजबहादुर सिंहआदि मौजूद रहे।

पंकज उपाध्याय बने नागौद ब्लॉक अध्यक्ष

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सतना। नागौद विधानसभा,से आम आदमी पार्टी नागौद ब्लॉक अध्यक्ष पंकज उपाध्याय को आम आदमी पार्टी के प्रति निष्ठा लगन और आचरण को देखते हुए नियुक्त किया गया है पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और देश व समाज में सकारात्मक परिवर्तन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे देश को बदलने और मध्य प्रदेश में राजनीतिक क्रांति को सफल बनाने के लिए आपकी भागीदारी हमारे लिए बहुत मूल्यवान है इनकी नियुक्ति रानी अग्रवाल प्रदेश प्रमुख के द्वारा की गई है इनको बधाई देने में मुख्य रूप से सुनील सिंह परिहार, जय सिंह ,विकास शुक्ला, मुकेश सिंह, राजू बागरी , अरुण पांडे जितेंद्र राय विपिन अखिल संदीप सतेंद्र नीरज दीपू प्रिंस मुनि जीसहित काफी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी

1.11 लाख की सामग्री भेंट की. कक्षा कक्ष के निर्माण की घोषणा

पुष्पाजंली टुडे

पाली । निम्बाज ग्राम पंचायत के राजस्व गांव खेड़ा देवगढ़ के निवासी भामाशाह एवं एवं इंडियन

फॉरेस्ट सर्विस आईएफएस के पद से सेवानिवृत्त उमाराम सीरवी ने अपने गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खे?ा देवगढ़ के शैक्षिक एवं भौतिक उन्नयन हेतु 1.11 लाख रुपए की सामग्री भेंट कर एक कक्षा कक्ष के निर्माण की घोषणा की। भामाशाह द्वारा प्रधानाचार्य एवं विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के आग्रह करने पर विद्यालय के लिए कंप्यूटर सेट मय प्रिंटर, साउंड सिस्टम, प्रधानाचार्य हेतु मूविंग चेयर, कार्यालय हेतु चार कुर्सियां सहित 20 अन्य कुर्सियां सप्रेम भेंट की। प्रधानाचार्य श्रीमती कंचन देथा ने बताया कि भामाशाह सीरवी ने 1, 11000 देने के साथ ही एक कक्षा कक्ष भी बनवाने की घोषणा की। वहीं विद्यालय को कक्षा कक्ष की घोषणा एवं उपयोगी संसाधन भेंट करने पर विद्यालय के समस्त स्टाफ के साथ प्रधानाचार्य ने भामाशाह सीरवी का बहुमान किया। ज्ञात रहे की भामाशाह उमाराम सीरवी ने अपनी प्राथमिक शिक्षा इसी विद्यालय से पूरी कर फॉरेस्ट विभाग में सरंक्षक पद पर आसीन हुए। इस दौरान प्रधानाचार्य कंचन देथा शारीरिक शिक्षिका लक्ष्मी कुमावत, रामश्री पावक, मोहनलाल वर्मा, अनिता रानी, अभिलाषा श्रीमाली, संतोष भाटी, विद्यालय के सभी विद्यार्थी एसएमसी के सदस्य चंद्रा राम चौपड़ा, कमल किशोर, महेंद्र सैन, भालूराम व राजू मानेचा सहित गणमान्य नागरिकों द्वारा भामाशाह का सम्मान एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्काउट और गाइड के बीएड शिविर पंच दिवसीय मेरे ही अनुमति से , तो फिर डॉ शुभिका सरकारी प्रधानाचार्य की ड्यूटी उत्तर प्रदेश के किस शासनादेश के तहत-

विवेकानंद कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट अलीगढ़ में भारत स्काउट और गाइड का बीएड पंच दिवसीय शिविर मेंडॉ शुभिका प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई की ड्यूटी लगाई गई। सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में है।डॉ शुभिका सरकारी प्रधानाचार्य को प्राइवेट एनजीओ भारत स्काउट और गाइड के कार्य के लिए सरकारी सुविधाएं भी दिलवाई गई। यानी कि सरकारी रीलिविंग, सरकारी वेतन, जिस महाविद्यालय में शिविर में ड्यूटी लगी उससे मानदेय एवं आने जाने का व्यय भी दिलवाया गया।एक ही समय में दोहरा लाभ दिलवाया गया।प्राइवेट एनजीओ भारत स्काउट और गाइड के कार्य हेतु एवं अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए, अपनी आय बढ़ाने के लिए एवं डॉ शुभिका सरकारी प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई के व्यक्तिगत लाभ के लिए और उनकी आय बढ़ाने के लिएसरकारी राजस्व की हानि करते हुए , राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई के ग्रामीण छात्राओं की पढ़ाई का भी नुकसान कराया। डॉ शुभिका प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई को प्राइवेट एनजीओ के नाम पर वर्ष भर में कितनी सरकारी रीलिविंग दी जा रही है, उत्तर प्रदेश सरकार का कोई शासनादेश हों तो एक छायाप्रति उपलब्ध कराएं। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई की छात्राओं को उस समय कौन पढ़ाता है? जिस समय डॉ शुभिका प्राइवेट एनजीओ के कार्य से अलीगढ़ क्षेत्र में जो कि 50 किलोमीटर का है। कॉलेज के समय में ही जाना होता है।यानी कि सरकारी वेतन पर प्राइवेट एनजीओ कार्य। सरकारी राजस्व की हानि और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई की ग्रामीण छात्राओं की पढ़ाई का नुकसान कराया जा रहा है। पूर्व में भी सैकड़ों पत्र दिए गए हैं। मगर आज तक कोई भी जांच एवं कार्यवाही नहीं की गई।क्या सरकारी प्रधानाचार्य होने के नाते अपनी मनमानी करते हुए माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान मैं पलीता लगाने का कार्य नहीं कर रहे हैं।जबकि प्राइवेट एनजीओ भारत स्काउट और गाइड के कार्य हेतु स्वतंत्र दल मौजूद है। प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ के अनुसार भारत स्काउट गाइड सोसायटी एक्ट अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक गैर राजनीतिक, स्वयंसेवी संस्था है।प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए सरकारी प्रधानाचार्य डा शुभिका जी कहा गया कि यदि आपको समाज सेवा करनी है तो सरकारी वेतन पर क्यों? सरकारी वेतन आपको राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई की ग्रामीण छात्रों को पढ़ाने के लिए दिया जाता है। न कि प्राइवेट एनजीओ भारत स्काउट गाइड के कार्य हेतु। सरकारी सुविधाओं पर समाज सेवा कर रही हैं, या अपनी व्यक्तिगत लाभ के लिए और अपनी आय बढ़ाने के लिए।सन 2018 से अब तक डॉ शुभिका प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई के कार्यकाल की जांच होना अति आवश्यक है।क्या यह बात सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ श्रीमती नेहा कटियार जी कोज्ञात नहीं है। जांच आवश्यक है।जो भी सरकारी राजस्व की हानि अब तक हुई है। और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई में ग्रामीण छात्राओं की पढ़ाई का नुकसान हुआ है।उसकी भरपाई डॉ शुभिका जी से एवं भारत स्काउट और गाइड के अधिकारी के निजी वेतन से की जानी चाहिए।इस भरपाई का संबंध भारत स्काउट और गाइड के खाते से नहीं होना चाहिए। क्योंकि उस खाते में सभी बच्चों का शुल्क का रुपया होता है एवं उत्तर प्रदेश सरकार, भारत सरकार का अनुदान का रुपया जमा होता है जोकि बच्चों की प्रशिक्षण एवंबच्चों के विकास हेतु मिलता है। बीएड पंच दिवसीय भारत स्काउट गाइड के गाइड विंग शिविर में प्रशिक्षण देने के लिए कम से कम योग्यता सीनियर एचडब्ल्यूबी रीयूनियन कोर्स है। जिसको प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ के पत्रांक संख्या सहित सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ श्रीमती नेहा कटियार जी को दिया जा चुका है। डॉ शुभिका प्रधानाचार्य राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कलाई ना तो सीनियर एचडब्ल्यूबी,ना ही रीयूनियन कोर्स। तो फिर ड्यूटी किस आधार पर ,किस के आदेश के तहत लगाई गई। डॉ कंचन जैन सीनियर एचडब्ल्यूबी रीयूनियन कोर्स होते हुए भी शिविर में वर्षों से ड्यूटी नहीं लगाई जा रही है। माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार उप संरक्षक भारत स्काउट और गाइड से अनुरोध है कि बच्चों के हित को देखते हुए जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित करें

थाना माधौगंज पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

थाना माधौगंज क्षेत्र में विगत दिनों एक अज्ञात महिला की दुष्कर्म कर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। ो थाना माधौगंज थाना क्षेत्रान्तर्गत आंग्रे कॉलोनी के पीछे, स्वर्ण रेखा नाले के पास झा?ियों में एक महिला का नग्न अवस्था शव प? होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर थाना माधौगंज पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर देखा तो पाया कि मृत प?ी हुई महिला के माथे के ऊपर एवं सिर में चोट लगी थी तथा चेहरा नीला प?ा हुआ था और उस महिला की वांयी बाजू शरीर में नही थी। कोई अज्ञात व्यक्ति ने उक्त अज्ञात महिला की दिनांक 29/30.04.2023 की दरमियानी रात में हत्या कर दी थी। मृत महिला की पहचान एवं सबूत छुपाने की दृष्टि से उसके माथे पर व सिर पर अज्ञात आरोपी द्वारा पत्थर से चोट पहुँचाई गई। थाना माधौगंज पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 169/23 धारा 302, 201 भादवि. का कायम कर विवेचना में लिया गया और अज्ञात मृत महिला की पहचान की गई। थाना माधौगंज क्षेत्र में हुए उक्त सनसनीखेज अंधे कत्ल की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल(भापुसे) द्वारा स्वयं पुलिस

अधिकारियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर उक्त हत्या के अज्ञात आरोपी की तलाश व पतारसी हेतु अति. पुलिस अधीक्षक शहर(पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह बर्धमान के कुशल निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक लश्कर श्री षिया? के.एम.(भापुसे) के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माधौगंज निरीक्षक महेश शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज देखे गये एवं मृतिका के मोवाइल की सीडीआर निकलवाकर विश्लेषण किया गया। विवेचना के दौरान आये तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा दिनांक 01.05.2023 को एक संदेही को तारागंज से पक? लिया गया और हत्या की घटना के संबंध में पूछताछ की गई तो उसके द्वारा पुलिस टीम को गुमराह करने का प्रयास किया गया। पूछताछ करने पर उसके द्वारा उक्त महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या करना स्वीकार किया गया। पुलिस टीम द्वारा पक? गये आरोपी की निशादेही पर उसके घर से मृत महिला की तो?िया, बिछिया और एक आर्टीफीशियल मंगलसूत्र बरामद किया गया। थाना माधौगंज पुलिस द्वारा दिनाँक 02.05.2023 को प्रकरण के आरोपी को गिरफ्तार कर अंधे कत्ल का पर्दाफाश किया गया है। मृतका की शिनाख्त तारागंज निवासी महिला के रूप में हुई थी और मृत महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ज्ञात हुआ कि उक्त महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या की गई थी। आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी माधौगंज निरी. महेश शर्मा, सउनि, शाकिर अली खान, प्रआर, जितेन्द्रसिंह सिकरवार, आर. मुकेश शर्मा, आर. प्रशान्त शर्मा(थाना जनकगंज), आर. संतोषसिंह कुशवाह, आर. केशव आर. पुष्पेन्द्रसिंह, आर. नशरूद्दीन तथा क्राईम ब्रांच टीम- उप निरीक्षक शिशिर तिवारी व क्राईम ब्रांच टीम की सराहनीय भूमिका रही।

दुमका जिले के सभी प्रखंडों से मजदूर दिवस के उपलक्ष्य पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

दुमका/झारखंड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के निर्देशानुसार सोमवार को जिले भर के विभिन्न प्रखंडों में मजदूर दिवस के उपलक्ष पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वहीं जरमुंडी प्रखंड के ततवाटोला ग्राम में प्राधिकार के सचिव द्वारा असंगठित एवं प्रवासी मजदूरों के बीच जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को बताया गया कि किसी भी समाज, देश, संस्था और उद्योग में मजदूरों कामगारों और मेहनतकसो की अहम भूमिका होती है। कामगारों के बिना कोई भी औद्योगिक ढांचा खड़ा नहीं रह सकता है। कानून से संबंधित न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, कारखाना अधिनियम, समान पारिश्रमिक अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम, ठेका श्रम इत्यादि के बारे में लोगों को विस्तार पूर्वक समझा कर उन्हें जागरूक किया गया।

सत्वगुण के विकास के हेतु सहजयोग अनमोल ध्यान प्रक्रिया है

शास्त्रोक्त वर्णन के अनुसार प्रत्येक मनुष्य में तीन प्रकार के गुणों का समावेश होता है रजोगुण, तमोगुण तथा सत्वगुण। तीनों में से जो भी गुण प्रभावी होता है वही मनुष्य के स्वभाव का भी निर्धारण करता है। रजोगुण का स्वभाव द्वेष, द्रोह, उत्कंठा, निद्रा, अजितेंद्रियत्व और गर्व उत्पन्न करता है। यह गुण भविष्य के विचारों व चिंता को प्रेरित करता है। तमोगुण का स्वभाव मोह, उद्वेग करने वाला, आलस्य, अज्ञान, निद्रा, दीनता, भय, विषाद आदि वृत्ति को बढ़ाने वाला होता है। यह गुण मनुष्य को भूतकाल की ओर खींचता है। सत्वगुण का स्वभाव है, सत्य की खोज करना और परम सत्य वह है जो परिस्थिति काल अथवा स्थान के अनुसार परिवर्तित नहीं होता। भौतिकता से परे आत्मज्ञान ही परम सत्य होता है।हमें ये समझना चाहिए कि हमारा अंतिम लक्ष्य क्या है ? परमपूज्या श्री माताजी निर्मला

देवी जी के अनुसार हमारे विकास का अंतिम लक्ष्य आत्मा बनना है जो हमारे हृदय में सर्वशक्तिमान परमात्मा का प्रतिबिंब है। श्री माताजी द्वारा संस्थापित सहजयोग के माध्यम से ध्यान द्वारा साधक आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात निर्विचार होकर शांत चित्त हो जाता है। उसकी दृष्टि तथा चित्त भी वासना और लोभविहीन हो जाते हैं तथा उसका स्वभाव अबोधिता व करुणा से परिपूर्ण हो जाता है। ऐसे व्यक्तित्व पर समय की पकड़ ढीली पड़ जाती है और आयु का असर रूक जाता है। साधक कर्म करता है परंतु वे अहंकार रहित होने के कारण अकर्म बन जाते हैं । ऐसा व्यक्ति गुणातीत, कालातीत व धर्मातीत हो जाता है उसका कोई विशेष धर्म नहीं होता वह जो भी करता है धर्म ही करता है उसके द्वारा अधर्म नहीं होता।रजोगुण और तमोगुण से ऊपर उठकर सत्वगुण को विकसित कर सत्य को प्राप्त करने हेतु श्री माताजी द्वारा प्रदत्त सहजयोग एक अनमोल ध्यान प्रक्रिया है। सहजयोग अत्यंत सहज व पूर्णतया निश्शुल्क ध्यान पद्धति है।नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट पर देख सकते हैं।

104 किलो के वैशाख को कोच ने रिजेक्ट किया था

अब विराट के साथ आई पी एल खेल रहे, 145+ की स्पीड से करते हैं गेंदबाजी

बेंगलुरु। विजयकुमार वैशाख...इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का तेजी से उभरता हुआ तेज गेंदबाज। वैशाख ने डेब्यू मैच में 20 रन देकर 3 विकेट लेकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे रजत पाटीदार के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल हुए थे। 26 साल के वैशाख अपनी सटीक लेंथ गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वे लगातार 145+ चस्स की स्पीड से बॉलिंग कर सकते हैं। इस समय वे अपना ढ्क्क ड्रीम जी रहे हैं। इस सफलता को हासिल करने के लिए उन्होंने खुद को ट्रांसफॉर्म कर डाला। 7 साल पहले वैशाख 104 किलो वजनी थे। उनके दोस्त उन्हें बबली (मोटू) कहकर चिढ़ाते थे। कोच रमन्ना ने यहां तक कह दिया था कि तुम कभी तेज गेंदबाज नहीं बन सकते हो। वैशाख का जुनून देखिए उन्होंने खुद को पूरी तरह बदल डाला। तेज गेंदबाज के पिता ने बताया कि वैशाख का पूरा नाम वैशाख विजय कुमार है। लेकिन, सर्टिफिकेट पर उनका नाम विजय कुमार वैशाख लिखा आया। अब हम दोनों बाप-बेटे एक ही नाम से पुकारे जा रहे हैं। मेरे बेटे का नाम वैशाख है। वैशाख के पिता के साथ पूरी बातचीत आप आगे पढ़ेंगे, उससे पहले यंग सेंसेशन का डोमेस्टिक क्रिकेट में ट्रैक रिकॉर्ड देख लेते हैं। वैशाख के पिता- क्रिकेट से मेरा भी जुड़ाव रहा है। मैं भी क्लब स्तर पर क्रिकेट खेल चुका हूं। कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट में मैंने हिस्सा लिया है और अभी च्य्ट के 2 ग्राउंड का क्यूरेटर हूं। शुरुआत में मैं खाली समय में बेंगलुरु स्थित राजनगर के स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट एकेडमी में कोचिंग देने जाता था। मेरे साथ मेरा बेटा वैशाख भी जाता था। तब वह 7 साल का था। उस

दौरान एनजीएफ क्रिकेट क्लब के विकेटकीपर बल्लेबाज और कोच देवनाथ ने मेरे बेटे को देखा और कहा कि विजयकुमार इसे क्रिकेटर बनाओ। इस पर फोकस करो। इस तरह से बेटे के क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई। मैंने पूरा फोकस वैशाख पर किया और नौकरी छोड़ दी। वैशाख के पिता- मैं प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। मैंने जब अपनी पत्नी को कोच देवानाथ की बात बताई तो पत्नी ने कहा की आप नौकरी से रिजाइन दे दीजिए और वैशाख की कोचिंग पर ध्यान दीजिए। मैं जॉब करूंगी। पत्नी ने कनाडा की एक प्राइवेट कंपनी में काम करना शुरू कर दिया। वह एचआर थीं और अब उस कंपनी की डायरेक्टर हैं। मैं वैशाख को सुबह स्कूल और ट्रेनिंग के लिए ले जाता था। फिर शाम को उसे घर लेकर आता था। हमेशा मैं उसके साथ रहता था। मैं उसकी पढ़ाई में भी मदद करता था। वैशाख के पिता- वह अंडर-19 तक ओपनर बल्लेबाज रहा है। उसने अंडर-16 में बतौर ओपनर कर्नाटक टीम का प्रतिनिधित्व किया है। जब वह 13-14 साल का था, तब से ही उसका वजन सामान्य बच्चों से बहुत ज्यादा था। इसके साथ के लड़के बबली (मोटू) कहते थे। जब वह वसुंदरी क्रिकेट एकेडमी में कोचिंग के लिए जाता था। वहां पर कोच रमन्ना ने भी उसे बबली कहना शुरू कर दिया। जब वह अन्य बच्चों को देखकर गेंदबाजी करता था, तब उसे रमन्ना कहते थे कि तुमसे कुछ नहीं हो पाएगा। रहने दो गेंदबाजी मत किया करो। वैशाख जब 19 साल का हुआ, तो उसका वजन काफी ज्यादा बढ़ने लगा। तब वह 95* किलो का हो गया था। रमन्ना उसे और ज्यादा चिढ़ाने लगे। वे कहते थे कि तुम कभी तेज गेंदबाज नहीं बन पाओगे। वैशाख ने इसे चैलेंज के रूप में लिया। हम भी उसके बढ़ते वजन से चिंतित थे। हमें लगा कि हम लोग ज्यादा चावल खाते हैं, इसलिए उसका वजन बढ़ रहा है। फिर हमने रोटी देना शुरू किया। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा तो हम डाइटिशियन के पास गए। जब इनका ब्लड टेस्ट हुआ, तो पता चला कि इनमें ग्लूटिन ज्यादा है, जो घी और गेंहू के प्रोडेक्ट ज्यादा खाने की वजह से बढ़ता है। फिर डाइटिशियन के सुझाव पर वैशाख ने डाइट लेना शुरू किया। 2 साल में वैशाख का वजन 19 च्त्न घटकर 95 से 76 किलो हो गया। इस दौरान वह फिटनेस ट्रेनर के पास भी जाता था। वैशाख के पिता- शुरुआत में रमन्ना ने ही ट्रेनिंग दी। जब सीनियर स्टेट टीम के लिए सिलेक्ट हुए तब अभिमन्यु मिथुन ने उन्हें देखा। उन्होंने इन्हें ट्रन करना शुरू किया। 2 साल से अभिमन्यु मिथुन ही ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने ही इसे स्लोअर बॉल डालने जैसी गेंदबाजी की अन्य तकनीकें सिखाईं। वैशाख के पिता- जब ईश्वर की मर्जी होती है, तब ही मौका मिलता है। वैशाख मेहनत कर रहे थे। ढ्क्क में मौका नहीं मिल पा रहा था। अब मिला है और बेहतर कर रहे हैं। अब सबकी नजरें इन पर पड़ रही हैं। अगर पिछले कुछ सालों से देखें तो ढ्क्क में बेहतर प्रदर्शन करने वाले को टीम इंडिया में जगह मिल रही है।

सुनील गावस्कर ने हार्दिक पांड्या को धोनी जैसा कप्तान बताया

कहा- धोनी की तरह ही वे अच्छे गुणों को अपनाने की कोशिश कर रहे

डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस (त्ज्ञ) के कप्तान हार्दिक पांड्या को पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स (छ्स्थ) के कप्तान एमएस धोनी जैसा बताया है। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्क्क) के 16वें सीजन में हार्दिक ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनकी बेहतरीन कप्तानी के दम पर गुजरात अभी पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। ऐसे में गावस्कर ने भी हार्दिक की तारीफ करते हुए उन्हें बेहतरीन कप्तान बताया है। उनका मानना है कि हार्दिक अपनी टीम पर अपने व्यक्तित्व को थोपने की कोशिश नहीं करते हैं और यही उनकी खासियत है। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, %कभी-कभी कप्तान अपनी और टीम की पर्सनालिटी एक जैसा रखने की कोशिश करता है। लेकिन हार्दिक अपना व्यक्तित्व टीम पर

थोपने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। एक कप्तान के रूप में यह उनकी खासियत है।% उन्होंने आगे कहा, %वे कप्तान के तौर पर एमएस धोनी जैसे लग रहे हैं। वे धोनी की तरह ही अच्छे गुणों को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। गुजरात टाइटंस ने शनिवार को ढ्क्क-16 में जीत की हैट्रिक जमाई है। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स (च्यत्र) को उसी के होम ग्राउंड में 7 विकेट से हराया। इस जीत से गुजरात की टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। उसके नाम सबसे ज्यादा 12 अंक हैं। टीम ने छह में से चार मैच चेज करते हुए जीते हैं। आपको बता दें कि ढ्क्क 2022 में पांड्या ने गुजरात को अपनी कप्तानी में डेब्यू सीजन में ही चैंपियन बना दिया था। हार्दिक ने पिछले और इस साल को मिलकर ढ्क्क के 22 मैचों में कप्तानी की है।

दिल्ली-हैदराबाद मैच के दौरान आपस में भिड़े फैंस

दो फैंस कुर्सी पर गिरे, सुरक्षा गार्ड ने सुलझाया मामला

दिल्ली। दिल्ली के अरुणजेटली स्टेडियम में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच ढ्क्क के डबल हेडर का दूसरा मैच खेला गया। मैच के दौरान स्टैंड में कुछ फैंस आपस में भिड़ गए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, फैंस के आपस में भिड़ने की वजह साफ नहीं हो पाई है। ऐसा माना जा रहा है कि किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहा-सुनी हो गई। देखते ही देखते मारपीट तक मामला पहुंच गया। इस दौरान दो लोग कुर्सी पर भी गिर पड़े। स्टैंड में आपस में कुछ लोगों को लड़ते हुए देखकर अन्य लोगों ने शांत कराने की कोशिश की। पर दोनों पक्षों में से किसी ने बात नहीं

सुनी। हालांकि बाद में सुरक्षा गार्ड ने आकर मामले को शांत किया। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 197 रन बना दिए। 198 रन का टारगेट चेज करते हुए दिल्ली की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन ही बना सकी। दिल्ली के लिए ढ्क्कसीजन कुछ खास नहीं रहा है। अब तक खेले आठ मैचों में दिल्ली को केवल सिर्फ दो मैचों में ही जीत मिली है। दिल्ली पॉइंट टेबल में सबसे नीचे आठवें नंबर पर है। जबकि गुजरात टाइटंस आठ मैचों में से 6 मुकाबले जीत कर पॉइंट टेबल में टॉप पर है।

प्रीटी जिंटा ने टीम के लिए बनाए थे120 आलू पराठे

2009 में साउथ अफ्रीका में टीम की जीत पर पराठे बनाकर वादा पूरा किया

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स की मालकिन बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीटी जिंटा ने अपने टीम के खिलाड़ियों के लिए 120 आलू के पराठे बनाए थे। जिंटा ने इसका खुलासा स्टार स्पोर्ट्स को दिए एक इंटरव्यू में किया। उन्होंने इस मजेदार वाकाया का जिक्र करते हुए कहा कि साल 2009 में ढ्क्क के मैच साउथ अफ्रीका में थे। होटल में आलू का पराठा बेहद ही खराब मिल रहा था। जिसके बाद मैंने उन्हें आलू के पराठे बनाने सिखाए थे। उसी समय टीम के खिलाड़ियों ने कहा कि क्या आप हम लोगों के लिए पराठे बना सकती हैं, मैंने कहा नहीं, लेकिन अगर आप लोग मैच जीतते हैं तो मैं पराठे

बनाऊंगी। अगला मैच हमारी टीम ने जीत लिया था। मुझे फिर 120 पराठे बनाने पड़े। तब मैंने सोचा था कि कितना खाते हैं ये लड़के। ढ्क्क2023 में पंजाब के प्रदर्शन की बात करें, तो शिखर धवन की कप्तानी वाली टीम ने अब तक खेले 8 मैचों में से 4 मैच जीते हैं।

आज के दिन का दूसरा मैच मुंबई बनाम राजस्थान

आई पी एल में आज दो मुकाबले खेले जाएंगे। दिन का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7=30 बजे खेला जाएगा। के टॉप खिलाड़ियों के बारे में जानेंगे। उनका ढ्क्क रिकॉर्ड और पिछले प्रदर्शन पर भी नजर डालेंगे, जिन्हें आप अपनी टीम में शामिल कर ज्यादा पॉइंट्स कमा सकते हैं। विकेटकीपर में दो खिलाड़ियों को रखा जा सकता है। इसमें ईशान किशन और संजू सैमसन को लिया जा सकता है। ईशान किशन 7 मैच में 183 रन बना चुके है। 129 स्ट्राइक रेट से खेल रहे है। वानखेड़े में बड़ी पारी खेल सकते है। संजू सैमसन शानदार फॉर्म में है। वानखेड़ का मैदान पसंद करते है। अब तक इस सीजन 8 मैच में 198 रन बना चुके है।

पाकिस्तान ने न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से हराया

जमान के 180 रन के बदौलत दूसरे वनडे में 337 रन के टारगेट को हासिल किया

रावलपिंडी। रावलपिंडी में खेले गए दूसरे वनडे मैच में पाकिस्तान ने फखर जमान की 180 रन की नाबाद पारी की बदौलत न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही पाकिस्तान पांच वनडे मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 336/5 का स्कोर बनाया, जवाब में पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में 337/3 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला झटका 33 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर विल यंग 19 रन

बनाकर छठे ओवर में आउट हुए। उसके बाद चैड बोवेस और डैरिल मिचेल ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 86 रन की पार्टनरशिप हुई। बोवेस 119 रन के स्कोर पर आउट हुए। उन्होंने 51 गेंदों पर 51 रन बनाए। वहीं बोवेस के आउट होने के बाद मिचेल ने टॉम लाथम के साथ न्यूजीलैंड की पारी को संभाले रखा और स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 183 रन की साझेदारी हुई। मिचेल ने 119 गेंदों में 129 रन बनाए। मिचेल 302 रन के स्कोर पर आउट हो गए। वहीं लाथम ने 85 गेंदों में 98 रन बनाए। मार्क चैपमैन सिर्फ 1 रन ही बना पाए। जेम्स नीशम 17 और हेनरी निकोल्स 6 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 336 रन बनाए। 337 रन के टारगेट का पीछ करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही।

तुषार चेन्नई के टॉप बॉलर, गायकवाड-कॉन्वे दिला सकते हैं पॉइंट्स

रविवार को ढ्क्क में दो मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला आज चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स इलेवन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दोपहर 3=30 बजे से होगा। आगे स्टोरी में हम इस मैच की फैंटेसी-11 के टॉप खिलाड़ियों के बारे में जानेंगे। उनका ढ्क्क रिकॉर्ड और पिछले प्रदर्शन पर भी नजर डालेंगे, जिन्हें आपअपनी टीम में शामिल कर सकते हैं। विकेटकीपर के लिए एमएस धोनी को लिया जा सकता है। धोनी ने 8 मैच में 196.77 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। धोनी बड़ी पारी खेलने की काबिलियत रखते हैं।

आंद्रे रसेल ने बजाई ईडन गार्डन स्टेडियम की घंटी :मोहित शर्मा का डाइविंग कैच, सुयश ने दिया मिलर को जीवनदान

कोलकाता। ढ्क्क में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को उसी के होम ग्राउंड पर 7 विकेट से हरा दिया। इस जीत से गुजरात की टीम अंक तालिका के टॉप पर आ गई है। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए। 180 रनों का टारगेट गुजरात ने 17.5 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। मैच में आंद्रे रसेल ने ईडन गार्डन स्टेडियम की घंटी बजाई। सुयश शर्मा ने डेविड मिलर का आसान कैच छोड़ मैच रोमांचक कर दिया और मोहित शर्मा ने डाइविंग कैच पकड़ा। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। आंद्रे रसेल ने बजाई ईडन गार्डन की घंटी ईडन गार्डन स्टेडियम में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान की तरह मैच शुरू होने से पहले घंटी बजाने का रिवाज है। रसेल ने शनिवार को च्यत्र के लिए अपना 100वां मैच खेला।

रेसलर्स को मिली पुलिस सुरक्षा

बृजभूषण बोले- आरोप लगाने वालीं खिलाड़ी एक ही अखाड़े की, जिसके कर्ता-धर्ता दीपेंद्र हुड्डा

पानीपत। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना आठवें दिन भी जारी है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने सभी सातों शिकायतकर्ता महिला खिलाड़ियों को सुरक्षा दे दी है। सभी की सुरक्षा में 1-1 सिपाही को तैनात किया गया है। इनकी ड्यूटी 12-12 घंटे की होगी। समीक्षा के बाद सुरक्षा यूनिट के कर्मियों की तैनाती की जाएगी। वहीं बृजभूषण ने कहा कि आरोप लगाने वाली सभी लड़कियां एक ही अखाड़े की हैं, जिसका नाम महादेव रेसलिंग अकादमी हैं। इसके कर्ता-धर्ता सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 90त्र खिलाड़ी भारतीय कुश्ती संघ पर विश्वास करते हैं। इंसाफ जंतर मंतर से नहीं मिलेगा, उसके लिए पुलिस और कोर्ट में जाना होगा। अखिलेश यादव इनके समर्थन में नहीं आए। क्योंकि वह सच्चाई को बहुत ही नजदीक से जानते हैं। आज कॉल रिकॉर्डिंग को लेकर जब बृजभूषण सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने इसका खुलासा कर दिया। बृजभूषण सिंह ने कहा कि वो कॉल रिकॉर्डिंग बजरंग पुनिया की है। इस ऑडियो के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उस ऑडियो में बजरंग पुनिया एक लड़की से बात कर रहे हैं और वो कह रहे हैं कि किसी भी तरीके से और किसी भी कीमत पर कोई लड़की उपलब्ध कराओ। साथ ही कहा कि 8 जनवरी को जो धरना हुआ था, उसमें जितने भी अखाड़ों की खिलाड़ी शामिल हुए थे, उन अखाड़ों

और खिलाड़ियों पर कार्रवाई की गई है। बिना परमिशन के धरने में शामिल होने पर एयरफोर्स, हरियाणा पुलिस ने भी नोटिस जारी किया। लेकिन अब धरने में रेलवे के खिलाड़ी बैठें हुए हैं, जिनसे रेलवे बोर्ड कोई पूछताछ नहीं कर रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि जिस धरने में मोदी विरोधी, योगी विरोधी और भाजपा विरोधी बातें हो रही हो, नारेबाजी हो रही हो, वो धरना कैसे चल सकता है। इससे पहले विनेश फोगाट ने कहा कि सालों से चली आ रही प्रताड़ना के बारे में साल 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया गया था। उन्होंने सब जल्द ठीक होने का आश्वासन देते हुए खेल मंत्री से मिलने को कहा था। हम खेल मंत्री से मिले तो 24 घंटे में सारी बातें बृजभूषण तक पहुंच गईं। इसके बाद हमें जान से मारने की धमकियां मिली। इतना टॉर्चर किया कि हम खुदकुशी कर लें। उधर, ढ्ह्ह की जांच कमेटी व खेल मंत्रालय की ओवरसाइट कमेटी मेंबर ओलिंपियन योगेश्वर दत्त ने कहा- पहलवानों को 3 महीने पहले ही पुलिस को शिकायत दे देनी चाहिए थी। पुलिस भी तभी कार्रवाई करेगी, जब उनके पास कोई शिकायत होगी। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट किया। जिसमें धरने पर बैठे खिलाड़ियों ने उनके समर्थन में आज दोपहर 12 बजे ज्यादा से ज्यादा ट्वीट कर सरकार से सवाल पूछने की मुहिम शुरू करने का आग्रह किया है। टोक्यो ओलिंपिक से लौटकर पीएम को बताई थी आपबीती मीडिया से बातचीत में विनेश ने कहा कि 2021 में मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेक्शुअल हैरेसमेंट की बात बताई थी। मैंने उस समय उन्हें इतना खुलकर नहीं बताया था, क्योंकि मैं खुद टोक्यो ओलिंपिक से वापस आई थी। मैं इतनी टॉर्चर थी कि मैंने इशारे-इशारे में उन्हें अपनी बात बताने की पूरी कोशिश की। मैंने कहा कि हमें मेंटली टॉर्चर कर रहे हैं। हमें और हमारी फैमिली को मारने तक की धमकी मिल रही है। लड़कियों के साथ बहुत गलत हो रहा है। हर तरीके से हमें परेशान किया जा रहा है, प्लीज हमारी हेल्प कीजिए। तब उन्होंने आश्वासन दिया था कि सब ठीक हो जाएगा। हम बैठे हैं इधर। आप चिंता मत कीजिए, आप अच्छे से गेम खेलिए। विनेश ने कहा कि इसके बाद भी बृजभूषण की हरकतें बंद होने का नाम नहीं ले रही थी।

जल्द ही खूंखार अंदाज में ओटीटी डेब्यू करेंगी डिंपल कपाडिया

सास, बहू और फ्लेमिंगो में आएंगी नजर

दिग्गज अदाकारा डिंपल कपाडिया के पूरे देश भर में दीवाने हैं. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड को बॉबी , इंसाफ, काश , राम लखन और क्रांतीवीर जैसी कई सारी बेहतरीन फिल्में दी हैं. एक्ट्रेस अपनी परफॉरमेंस से अक्सर दर्शकों का दिल जीत लेती है. साथ ही आज हम एक्ट्रेस के फैंस के लिए एक और खुशखबरी लेकर आए हैं. बता दें कि, डिंपल कपाडिया जल्द ही एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं. यह एक ओटीटी वेब सीरीज है, जिसका नाम है सास, बहू और फ्लेमिंगो. आपको बता दें कि, फिल्म पठान में अपनी सफलता एंजॉय करने के बाद डिंपल कपाडिया ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार की वेब सीरीज सास, बहू और फ्लेमिंगो में दिखाई देने वाली हैं. इस वेब सीरीज में डिंपल के साथ राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार भी नजर आने वाली हैं. मेकर्स के अनुसार, सास, बहू और फ्लेमिंगो, एक ऐसी सास की कहानी है जो कट्टर है, और बहुएं जो दृढ़ और दुर्जेय हैं - ये महिलाएं बदमाश, शक्तिशाली और यहां तक कि निर्दयी के अलावा कुछ नहीं हैं मर्जी से. सीरीज से डिंपल कपाडिया का पहला लुक उन्हें बंदूक पकड़े और किसी को गोली मारते हुए दिखाता है. इस सीरीज में आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे.सास, बहू और फ्लेमिंगो के बारे में बात करते हुए, डिंपल कपाडिया ने एक बयान में कहा था, सास, बहू और फ्लेमिंगो एक ऐसी कहानी है जो जुनून और अराजकता से भरी दुनिया में आम लोगों को असाधारण बनाती है. यह बुरी-गधा महिलाओं का एक समूह है जो एक कहानी कह रहा है जो अक्सर केवल पुरुष पात्रों द्वारा निभाई जाती है और मेरा विश्वास करो, इसमें कुछ सबसे रंगीन पात्र हैं जिन्हें आपने कभी देखा होगा. यह शो उतना ही जंगली है जितना मेरे पागल निर्देशक होमी अदजानिया का दिमाग. उन्होंने एक फैमिली ड्रामा को सिर पर चढ़ा दिया है, जो हमें इस तरह की मनोरम बिंग-वॉच दे रहा है. बता दें कि, यह शो दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा समर्थित है. साथ ही, यह 5 मई से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

सिटाडेल का नया ट्रेलर जारी, प्रभावी नजर आई प्रियंका चोपड़ा

कुछ समय पूर्व हिन्दी फिल्मों की अभिनेत्री रही प्रियंका चोपड़ा ने अपने एक बयान में बॉलीवुड को लेकर कहा था कि उन्हें वहाँ पर काम नहीं मिल रहा था। कुछ लोगों ने उन्हें प्रतिबंधित करने के साथ ही अन्य लोगों पर दबाव डलवाकर प्रतिबंधित कर दिया था, जिसके चलते उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। अपने इन खुलासों के कारण प्रियंका चोपड़ा खासी चर्चाओं में हैं। अभी उनकी चर्चाएँ समाप्त भी नहीं हुई थी कि अब वे अपनी स्पाइ एक्शन वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर खबरों में हैं। इन चर्चाओं के बीच अब सिटाडेल का नया ट्रेलर जारी किया गया है, जिसमें कहानी की कुछ और परतें खोलने की कोशिश की गयी है। सिटाडेल 28 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। अमेजन स्टूडियोज और रुसो ब्रदर्स के एजीबीओ रचित सिटाडेल को एंथोनी रूसो, जो रूसो, माइक लारोका, एंजेला रूसो-ओटस्टॉट और स्कॉट नेम्स ने प्रोड्यूस किया है। रूसो ब्रदर्स मार्वल स्टूडियो की एवेंजर्स फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिटाडेल प्रियंका की दूसरी हॉलीवुड सीरीज है, जिसमें वो स्पाइ बनी हैं। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा चंटिको में जासूस के रूप में दर्शकों के सामने आ चुकी हैं।सिटाडेल वर्तमान और अतीत में सफर करती है। आठ साल पहले यह एक इंडिपेंडेंट ग्लोबल स्पाइ एजेंसी थी, जिसे लोगों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था, मगर एजेंसी को विलेन मांटीकोर के लोगों ने खत्म कर दिया। यह एक पावरफुल सिंडिकेट है। सिटाडेल के खत्म होने के साथ, एलीट एजेंट मेसन केन (रिचर्ड मैडेन) और नादिया सिंह (प्रियंका चोपड़ा जोनस) की यादें भी मिटा दी गयीं, क्योंकि वे बच जाते हैं। हालांकि, वे तब से छिपे हुए हैं और नई पहचान के साथ नया जीवन शुरू करते हैं, जो अपने अतीत से अनजान हैं। फिर अचानक मेसन को उसके पुराने सिटाडेल सहयोगी बर्नार्ड ऑरलिक (स्टेनली टुकी) द्वारा ट्रैक किया जाता है, जिसे मांटीकोर को एक नया वर्ल्ड ऑर्डर स्थापित करने से रोकने के लिए उसकी मदद की सख्त जरूरत है। मेसन अपनी पुरानी साथी नादिया की तलाश करता है और दो जासूस एक मिशन पर निकल पड़ते हैं।सिटाडेल एक हाइ ओक्टेन एक्शन वाली स्पाइ सीरीज है, जिसमें प्रियंका खुद स्पाइ के रोल में हैं। उनके साथ रिचर्ड मैडन लीड रोल में हैं। स्टेनली टुकी और लेस्ली मैनविल भी प्रमुख किरदारों में हैं। इनके कैरेक्टर लुक्स भी जारी किये गये हैं।

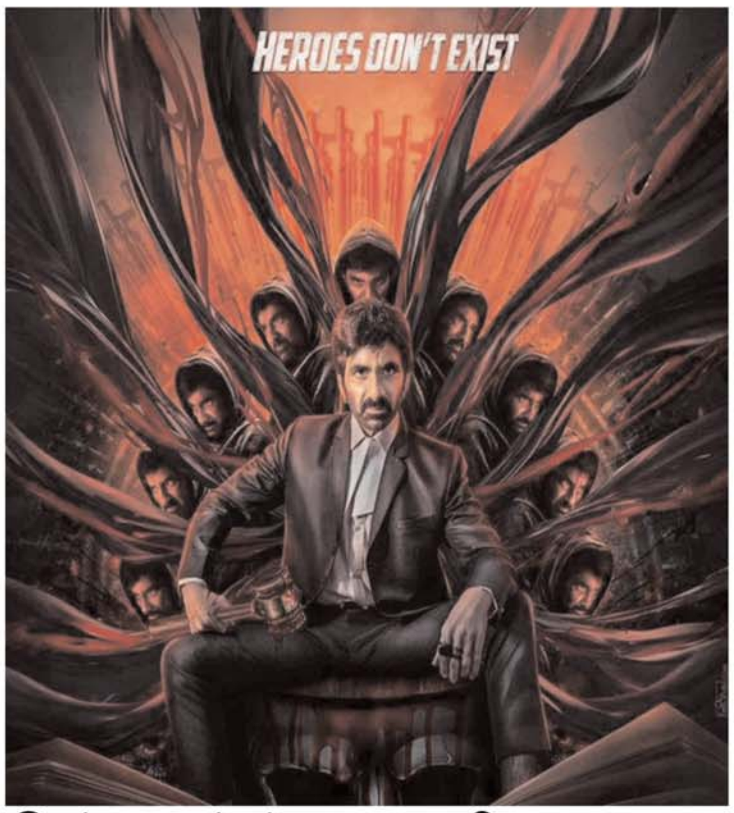

सिनेमाघरों में सुस्त हुई रावणासुर, लागत निकलना मुश्किल

दक्षिण भारतीय दर्शकों में मास महाराजा के नाम से ख्यात अभिनेता रवि तेजा इन दिनों मुश्किलों में नजर आ रहे हैं। हाल ही में उनकी फिल्म रावणासुर सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई है। इस फिल्म के पहले सप्ताहांत के कारोबार ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर को अपितु स्वयं रवि तेजा को भी निराश कर दिया है। फिल्म ने भारत में 6 करोड़ की ओपनिंग की थी, जिसके बाद उम्मीद थी वीकेंड दिनों शनिवार और रविवार को फिल्म बढ़त हासिल करेगी लेकिन सप्ताहांत के दौरान, एक्शन ड्रामा में 50 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और शनिवार (8 अप्रैल) और रविवार (9 अप्रैल) को कुल 7-8 करोड़ रुपये कमाए। अगर फिल्म रफ्तार नहीं पकड़ती है तो इस हफ्ते के अंत में इसे सिनेमाघरों से हटाया जा सकता है। ऐसा लग रहा है कि रावणासुर एक आपदा की ओर बढ़ रही है।सुधीर वर्मा द्वारा निर्देशित रावणासुर ने 7 अप्रैल को दुनिया भर में स्क्रीन की शोभा बढ़ाई। फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से ठंडी प्रतिक्रिया मिली। पहले दिन, रावणासुर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपये (शुद्ध) एकत्र किए। वीकेंड में रफ्तार पकडने के बजाय फिल्म के कलेक्शंस में 50 फीसदी की गिरावट देखी गई। शनिवार और रविवार को, अनुमान बताते हैं कि फिल्म ने दोनों दिनों में लगभग 8 करोड़ रुपये एकत्र किए।यह भारत में कुल संग्रह को 14 करोड़ रुपये तक ले जाता है। फिल्म ने कल 21.65 फीसदी की ऑक्यूपेंसी दर्ज की।रावणासुर एक मनोवैज्ञानिक एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन सुधीर वर्मा ने किया है। फिल्म की कहानी श्रीकांत विस्सा ने लिखी है। फिल्म में रवि तेजा, जयराम, सुशांत, मुरली शर्मा, अनु इमैनुएल, मेघा आकाश, दक्षा नागरकर और पूजिता पोन्नदा प्रमुख भूमिकाओं में हैं।फिल्म का निर्माण रवि तेजा की आरटी टीम वर्क्स और अभिषेक नामा की अभिषेक पिक्चर्स द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को 50 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है।

डायना पेंटी की अमिताभ अभिनीत फिल्म सेक्शन 84 में एंट्री

अभिनेत्री डायना पेंटी को पिछली बार अक्षय कुमार के साथ फिल्म सेल्फी में देखा गया था। हालांकि, उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। भले ही फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया, लेकिन इससे डायना की लोकप्रियता प्रभावित नहीं हुई। यही वजह है कि अब एक और बड़ी फिल्म उनके हाथ लग गई है। डायना जल्द ही अमिताभ बच्चन की फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगी। आइए जानते हैं उन्होंने इससे जुड़कर क्या कुछ कहा। तरण आदर्श ने किया ऐलानजाने-माने फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने यह जानकारी दे दी है। उन्होंने ट्विटर पर अभिनेत्री की एक तस्वीर साझा कर लिखा, डायना पेंटी, अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म सेक्शन 84 का हिस्सा बन गई हैं। रिभु दासगुप्ता इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है। डायना के फिल्म से जुडने से प्रशंसक सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी रिभू ने ही लिखी है। सेक्शन 84 एक कोर्टरूम ड्रामा थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अमिताभ की मुख्य भूमिका है। डायना ने इस पर कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है। मैं इसे लेकर इसलिए भी उत्साहित हूं क्योंकि इसके जरिए मुझे महानायक अमिताभ का साथ मिल रहा है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा सपना अब सच हुआ है। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि शहंशाह के साथ काम करने का अनुभव यादगार होने वाला है और मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलने वाला है। अमिताभ इससे पहले पिंक और बदला जैसी शानदार कोर्टरूम ड्रामा फिल्मों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुके हैं। दोनों ही फिल्मों में अभिनेत्री तापसी पन्नू उनके साथ नजर आई थीं और इन दोनों ही फिल्मों में अमिताभ के अभिनय को खूब सराहा गया था। अमिताभ ने बीते 1 मार्च को फिल्म का टीजर जारी कर इसका ऐलान किया था। इसके जरिए अमिताभ को रिभू के साथ फिर काम करने का मौका मिला है। दोनों इससे पहले युद्ध और टीई3एन जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म सेक्शन 84 के बारे में अमिताभ ने कहा कि वह रिभू के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं और इस फिल्म को लेकर इसलिए भी उत्सुक हैं क्योंकि यह बतौर अभिनेता उन्हें चुनौती देती है। डायना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। बॉलीवुड से पहले उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में अपना नाम कमाया। वह कई जानी-मानी विज्ञापन कंपनियों की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। फिल्मी दुनिया में उन्होंने अपनी शुरुआत कॉकटेल से की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट थी। इस फिल्म में डायना के साथ दीपिका पादुकोण और सैफ अली खान नजर आए थे। 2012 में रिलीज हुई यह रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी थी।

वजन ज्यादा होने की वजह से कई प्रॉजेक्ट्स से धोना पड़ा हाथ : नंदिनी शर्मा

शो फालतू में रिया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस नंदिनी शर्मा ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों को याद किया और बताया कि कैसे उन्हें अधिक वजन के कारण रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने वजन के कारण साउथ प्रोजेक्ट में लीड रोल का ऑफर गंवाने के बारे में बताया।उन्होंने कहा- स्ट्रगल एक एक्टर के जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन जब रिजेक्शन से डील करने की बात आती है, तो यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। मैं ऐसा इसलिए कह सकती हूं, क्योंकि मैंने अपने वजन के कारण कई प्रोजेक्ट खोए हैं और उस चीज ने मुझे बहुत डिमोटिवेट किया। कई बार तो मुझे ऑडिशन देने से पहले ही रिजेक्ट कर दिया जाता था। मुझे याद है कि मैं साउथ के एक बड़े प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड थी, लेकिन मुझे लीड रोल के लिए मना कर दिया गया, वजह मेरा वजन था।नंदिनी, जिन्होंने वेब सीरीज- जांबाज हिंदुस्तान के में भी काम किया है, ने कहा कि वजन के चलते मिल रहे रिजेक्शन का उन पर काफी बुरा असर पड़ा था।उन्होंने कहा, रिजेक्शन वास्तव में मुझे निराश करता था। मैं वजन कम करती रहती हूं, लेकिन इसमें फिट होना एक मुश्किल जर्नी है। धीरे-धीरे, मैंने रिजेक्शन से डील करना सीख लिया, लेकिन कभी भी ऑडिशन देना बंद नहीं किया क्योंकि मुझे एक्ट्रेस बनने का शौक था।

रिवीलिंग ड्रेस में मौनी रॉय ने दिखाई सेक्सी अदाएं, हुस्न से ढा दी ऐसी कयामत देखते रह गए लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ना सिर्फ अपने एक्टिंग स्किल्स बल्कि अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि बीती रात एक स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में एक्ट्रेस ने शिरकती की थी। जहां उनका हॉट लुक्स फैंस के बीच छा गया था। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय को स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में स्पॉट किया था

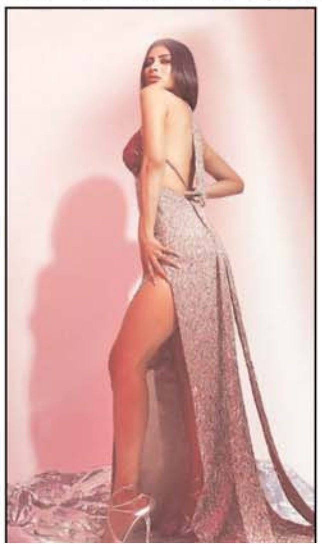

जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही यूनिक लुक को चुना था। बता दें कि मौनी रॉय ने फेमस डिजाइनर डॉली जे के कलेक्शन से पिंक और सिल्वर कलर का ब्राइडल कॉलम गाउन केरी किया था। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में मौनी रॉय बेहद ही स्टनिंग और हॉट लग रही थीं कि उनसे नजरें तक हटा पाना मुश्किल हो गया था। ओपन स्ट्रेट हेयर और न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस मौनी रॉय खुद को खूबसूरत और ग्लैमरस प्रेजेंट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अफने इस लुक से भी एक बार फिर फैंस के छक्के छुड़ा दिए हैं। बता दें मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

एल्नाज नोरोजी ने कंधार में जेरार्ड बटलर के साथ काम करने का अनुभव साझा किया

ईरानी-जर्मन मॉडल और अभिनेत्री एल्नाज नोरोजी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट कंधार' में स्कॉटिश अभिनेता और फिल्म निर्माता जेरार्ड बटलर के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। जेरार्ड ने एक मिशन के दौरान अफगानिस्तान में फंसे सीआईए ऑपरेटिव टॉम हैरिस की भूमिका निभाई है। एल्नाज ने कहा - जेरार्ड के साथ काम करना न केवल एक निर्माता के रूप में, बल्कि सह-कलाकार के रूप में भी जादुई था, वह बहुत मजेदार और शीर्ष पर सुपर अच्छा है। कंधार' एक ऐसा अनुभव है, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी।एल्नाज पाकिस्तानी फिल्म मान जाओ ना' और हिंदी फिल्म हैलो चार्ली' में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। वह गुरु रंधावा के साथ म्यूजिक वीडियो मेड इन इंडिया' और वेब

सीरीज सेक्रेड गेम्स' में भी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने जेरार्ड के कामों के लिए अपनी पसंद को साझा किया, जिसमें टुमॉरो नेवर डाइज', टेल ऑफ द ममी', टाइमलाइन', अन्य शामिल हैं और कहा - मुझे याद है कि मैं जेरार्ड की फिल्में देखती थी और मैं उस पर क्रश हुआ करती थी क्योंकि मैं रिक सर का भी आभारी हूं कि उन्होंने फिल्म के माध्यम से हमें इतनी अच्छी तरह से मार्गदर्शन किया। मैं एक हॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत खुश हूं।कंधार' का निर्देशन रिक रोमन वॉ ने किया है। इस फिल्म में नावीद नेगहबान, अली फजल, बहादोर फौलादी, ट्रैविस फिमेल भी हैं। यह अमेरिका में 26 मई को रिलीज होगी। वर्क फ्रंट पर कंधार' के अलावा एल्नाज मेड इन हेवन सीजन 2' में भी नजर आएंगी।

गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर मालनपुर में ब्रह्माकुमारीज द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम मैं 150 से अधिक भाई-बहन होंगे समर्पित

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मालनपुर गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर महाराजपुरा मैं 3,4,5 मई तीन दिवसीय कार्यक्रम मैं दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह दिव्य संकल्प समारोह एवं दिव्य बुद्धि समर्पण समारोह संपन्न होगा बीके अवधेश दीदी राष्ट्रीय संयोजिका प्रशासक सेवा विभाग एवं क्षेत्रीय निर्देशिका भोपाल जोन ने प्रेस वार्ता में बताया की महाराजपुरा ब्रह्माकुमारी आश्रम पर तीन दिवसीय समर्पण महोत्सव कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है जिसमे 150 से अधिक भाई बहनों का समर्पण दिवस कार्यक्रम संपन्न होगा पूरे भारतवर्ष से सभी भाई बहन आकर अपने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मालनपुर आश्रम में समर्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे क्षेत्र से लगभग 5000 से अधिक की संख्या की उपस्थिति रहेगी प्रेस वार्ता में भोपाल जोनल हेड बीके अवधेश बहिन जी बीके निर्मला बहन जी रीवा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता बीके रानी बहन जी सतना बीके रेखा बहिन पोरसा बीके सुनीता बहन जी होशंगाबाद आदि वरिष्ठ बहिनों आदि की उपस्थिति में प्रेस वार्ता संपन्न हुई

भाजपा को चुनाव के समय ही गरीब याद आते है डा. सिकरवार

ग्वालियर। भाजपा नेताओं और सरकार को चुनाव आते ही जनता की परेशानी और गरीब दिखने लगते हैं , चुनाव में वोट लेने के बाद भाजपा नेता अगले पांच साल तक उन्हें भुला देते हैं और खुद जनता के बीच कभी नहीं जाते हैं । उप चुनाव के दौरान भाजपा ने 17 करोड़ के विकास कार्यों के भूमिपूजन किए थे, मगर चुनाव हारते ही मुन्नालाल गोयल के कहने पर ने सरकार ने वो राशि वापस ले ली थी। यह बात आज 16 ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा के दौरान आमजनों से चर्चा करते हुए कही ।16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के मेला ग्राउण्ड ब्लॉक में आज शाम 4 बजे वार्ड 23 के कबीर पार्क पर कांग्रेस के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, मण्डल पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी, कांग्रेस पार्षद एवं सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुये, यहां से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा बृहद स्तर पर शुरू हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे हाथों में लेकर चल रहे थे। यात्रा कबीर कॉलोनी, मल्टी के आस-पास का क्षेत्र, संजय नगर, चमडा कारखाना की समस्त गलियों में घर-घर पहुंची और जनता से सीधे संपर्क किया। इस दौरान विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर जगह-जगह जोरदार स्वागत किया । यात्रा के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने जनता से चर्चा करते हुये कहा कि आज मंहगाई और बेरोजगारी ब?ी समस्या है और आम आदमी इससे परेशान है। सरकार इन दोनों मुद्धों पर कभी बात नहीं करती है और भाजपा के नेता मुँह में गड़ डालकर चुपचाप बैठे हैं, किसी को मंहगाई नजर नहीं आ रही है। युवा वर्ग रोजगार के लिए भटक रहा है। उन्होंने कहा कि जनता भी भाजपा से पूंछ रही है कि मंहगाई कब कम होगी, कोई जबाब नही मिलता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने अत्याचार के खिलाफ अंग्रेजों को खदेंड दिया था। भाजपा को जनता खदेड़ेगी। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि आज भाजपा नेता धरना दे रहे है ,जब प्रदेश में भाजपा ने जनता द्वारा चुनी गई कांग्रेस की सरकार को गिरा दिया था और उपचुनाव में प्रचार के दौरान ग्वालियर पूर्व विधानसभा में करोड़ों रूपये के विकास कार्यो के लिये भूमिपूजन किये गये ,लेकिन जैसे ही भाजपा चुनाव हारी तो इन विकास कार्यो के लिये आये 17 करोड रूपये भाजपा सरकार ने वापस ले लिए थे। तब भाजपा नेताओं ने धरना क्यों नही दिया। उन्होंने कहा कि विकास और प्रगति के काम सिर्फ कांग्रेस करती है और आगे भी करेगी। भाजपा के लोग जनता को गुमराह करते हैं और घड़ियाली आंसू बहाते हैं।'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा में दौरान विधायक डॉ. सिकरवार के साथ एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, कार्यकारी अध्यक्ष चर्तुभुज धनोलिया, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, महादेव अपोरिया, बेताल सिंह गुर्जर, केदार बरहादिया, प्रमोद खरे, अंकित कठठ्ल, सुरेन्द्र साहू, लायकराम बौहरे, गजेन्द्र सिंह कुशवाह, विजय सिंह, श्रीमती सीमा समाधिया, राजकुमारी जाटव, कुंती सगर, रामसेवक माथुर, माला वर्मा, मोनू रजक, सुनील रमपुरिया, ओमप्रकाश प्रजापति, बृजेन्द्र सिंह तोमर, आकाश जाटव, राकेश कुशवाह, गौतम कौशल, मनोल पाल आदि सैक?ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खुशियों की दास्तां :कोमल के हुनर से बनी कलाकृतियाँ बोलती सी लगती हैं

ग्वालियर । कोमल के हाथों और अंगुलियों के कोमल हुनर का स्पर्श पाकर तैयार हुईं निर्जीव कलाकृतियों को देखकर एक बारगी लगता है कि वे बोल उठेंगीं। कोमल ने स्वप्रेरणा से चित्रकला और मूर्तिकला को अपनाया है। बिना प्रशिक्षण लिए वे एक से बड़कर एक कलाकृतियाँ गढ रही हैं। उन्हें जब पता चला कि बाल भवन में जिला स्तरीय ÷लाड़ली लक्ष्मी उत्सव÷ मनाया जा रहा है, तो वे अपनी कलाकृतियाँ लेकर वहाँ पहुँच गईं। लाड़ली उत्सव में भाग लेने आए जनप्रतिनिधिगण और सभी प्रतिभागियों की उन्हें खूब सराहना मिली। शहर की नारायण विहार कॉलोनी, गोला का मंदिर निवासी कु. कोमल बाथम वीआरजी कॉलेज मुरार की एमकॉम की छात्रा हैं। उनके पिता श्री बालकिशन बाथम माली का व्यवसाय करते हैं। कोमल बताती हैं कि मैंने चित्रकला और मूर्तिकला का कहीं से प्रशिक्षण नहीं लिया है। मुख्यमंत्री मामा श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समय-समय पर बालिकाओं को दिए गए प्रोत्साहन से हमें इस क्षेत्र में आगे बड़ने की प्रेरणा मिली है। बाल भवन में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के दौरान उनके द्वारा लगाए गए कलाकृतियों के स्टॉल पर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर और कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह भी पहुँचे। उन्होंने कोमल के हुनर की भूरि-भूरि प्रशंसा की । कोमल द्वारा तैयार की गई भगवान श्रीकृष्ण की कलाकृति को कलेक्टर श्री सिंह क्रय कर अपने घर ले गए। इसी तरह अन्य लोगों ने भी कोमल द्वारा तैयार की गई भगवान गणेश, भोले शंकर, राधा कृष्ण व भगवान बुद्ध, शहीद-ए-आजम भगत सिंह एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चित्र सहित अन्य कलाकृतियों को खूब पसंद किया गया। कोमल बताती हैं कि जब मैंने कलाकृतियाँ बनाना शुरू कीं तो मेरी माँ और छोटा भाई भी कलाकृतियाँ बनाने लगे हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई लाड़ली लक्ष्मी व लाड़ली बहना योजना से हम जैसी बालिकाओं और जरूरतमंद महिलाओं को आगे बड़ने की ताकत मिली है।

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है योग: शर्मा

ग्वालियर । योग के द्वारा व्यक्ति के शारीरिक विकास से साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। महर्षि पतंजलि ने आठ चरण यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि के बारे में शिक्षा दी है। इन्हें अपनाकर हम अपने जीवन को स्वस्थ और सुखमय बना सकते हैं। इस आशय के उदगार मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने शासकीय उमावि मॉडल डीडी नगर में आयोजित हो रहे समर कैंप में व्यक्त किए। योग आयोग के अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि महर्षि पतंजलि के अनुसार इन राहों पर चलकर व्यक्ति देवत्व को प्राप्त कर सकता है। शर्मा ने योग क्लब प्रभारियों की बैठक में कहा कि योग आयोग द्वारा दस मिनट का योग प्रोटोकाल तैयार किया गया है, जिसे नए शैक्षणिक सत्र से लागू किया जाएगा। शर्मा ने योग का लाभ जन जन तक पहुंचाने के लिए शिक्षकों से हर गांव में योग कक्षा शुरुआत करने का आव्हान किया। साथ ही कहा कि हर जिले में मुख्यमंत्री शासकीय जिला योग प्रशिक्षण खोला जाएगा। प्रशिक्षक देवीदयाल भारती ने कहा कि योग के क्षेत्र में ग्वालियर पूरे प्रदेश में अग्रणी है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार ने कहा कि योग विद्यार्थी जीवन में संजीवनी के सामान है। योग शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद करता है। जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने बताया कि ग्वालियर जिले के सभी शासकीय हाईस्कूल और उमावि में योग क्लब का गठन हो गया है। साथ ही जिले में तीन स्थानों पर जनसामान्य के लिए भी योग कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। विश्व योग दिवस पर ग्वालियर के सभी सामाजिक और योग संगठनों के सहयोग से योगाभ्यास किया जाएगा। आरंभ में योग आयोग के अध्यक्ष शर्मा द्वारा योगाभ्यास और प्राणायाम कराया गया। इस अवसर पर योग क्लब प्रभारी श्रीकांत शर्मा को सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत संस्था के प्राचार्य रंजीत सिंह चौहान द्वारा तथा आभार प्रदर्शन अहिबरन सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त विकासखंड योग प्रभारी तथा योग क्लब प्रभारी उपस्थित थे।

नेशनल एग्रीकल्चर एजुकेशन एक्रीडिशेषन बोर्ड ने कृषि विश्वविद्यालय को दी मान्यता

ग्वालियर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एग्रीकल्चर एजुकेशन एक्रीडिशेषन बोर्ड द्वारा कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर को विभिन्न पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए 5 वर्ष के लिए मान्यता प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत महाविद्यालयों में चलने वाले स्नातक, स्नातकोत्तर तथा मुख्यालय पर चलने वाले पीएचडी पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय की गरिमा में वृद्धि हुई है।नेशनल एग्रीकल्चर एजुकेशन एक्रीडिशेषन बोर्ड द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में प?ाई का स्तर, कोर्स डिजाइन, परीक्षा आयोजन का स्तर, स्टाफ संख्या, संस्थान के भवन की क्षमता, छात्र संख्या, प्लेसमेंट का स्तर, शोध, प्रयोगषाला की स्थिति और खेलकूद की सुविधाओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई थी। जिसके आधार पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर को 28.03.2021 से 27.03.2026 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान की गई है। यह विश्वविद्यालय की ब?ी उपलब्धि है। यह निर्णय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नईदिल्ली की नेषनल एग्रीकल्चर एजुकेषन एक्रीडिषेषन बोर्ड द्वारा अपनी 33वीं बैठक में लिया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पांच महाविद्यालयों में कई स्नातक, स्नातकोत्तर व पी.एच.डी डिग्री कोर्स के लिए अनुमति प्राप्त हुई है। राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय को विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मान्यता मिली, जिनमें बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि, एम.एस.सी. (कृषि) कृषि विज्ञान, एम.एस.सी.(कृषि) कीटविज्ञान, एम.एस.सी.(कृषि) आनुवंषिकी एवं पादप प्रजनन, एम.एस.सी.(कृषि) कृषि अर्थशास्त्र, एम.एस.सी. (कृषि) पादप रोगविज्ञान, एम.एस.सी.(कृषि) वनस्पति विज्ञान, पी.एच.डी. कृषि विज्ञान, पी.एच.डी. आनुवांषिकी एवं पादप प्रजनन, पी.एच.डी. पादप रोगविज्ञान आदि शामिल है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने सभी प्राध्यापकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी तथा विश्वविद्यालय को इसी प्रकार उन्नति की ओर अग्रसर करने के लिए अपना योगदान देने के लिए कहा।

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ ने स्मरण ज्ञापन पत्र अपर आयुक्त को सौंपा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष हमीद खां उस्मानी, कांग्रेस सेवादल के पूर्व संगठक पूरन सिंह कुशवाह, सेवादल के पूर्व जिला सचिव देवेन्द्र वर्मा, मदन मोहन शर्मा ने कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनूप जौहरी के नेतृत्व में नवागत निगम आयुक्त हर्ष सिंह के नाम अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव को एक स्मरण ज्ञापन पत्र सौंपा है। बता दें कि कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनूप जौहरी ने स्मरण ज्ञापन पत्र में नई सड़क वार्ड 35 बावन पायेगा मस्जिद के सामने वाली गली रस्सी वाला मौहल्ले में स्थित बाबा नाम देव मन्दिर परिसर के आसपास के खम्भों की विगत एक माह से बंद पड़ी स्टेट लाइटें चालू कराए जाने एवं वार्ड 35 में गड्ढा युक्त सड़कें शीघ्र बनवाए जाने को लेकर लेकर विगत मंगलवार को ज्ञापन दिया था जिसे आयुक्त ने संज्ञान लेते हुए उसी समय नगर निगम विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को उसी दिन शाम तक बन्द पड़ी स्ट्रीट लाइटें शीघ्र चालू करायें जाने का निर्देश दिया था। उक्त आदेश को दरकिनार करते हुए सात दिवस बती जाने के बाद भी स्ट्रीट लाइटों को ठीक नहीं कराया गया जिसके चलते निगम आयुक्त के आदेश की अवहेलना करने वाले संबंधित विधुत अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने एवं वार्ड 35 की गड्ढा युक्त सड़कों की पेच रिपेयरिंग और बन्द पड़ी स्टेट लाइटें शीघ्र चालू करायें जाने को लेकर एक स्मरण ज्ञापन पत्र पुनः सौंपा गया हैं।

यातायात पुलिस ने हेलमेट जागरूकता रैली निकाली; कलेक्टर, एसपी तथा निगम आयुक्त ने लिया भाग

ग्वालियर । यातायात पुलिस द्वारा यातायात जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। ''यातायात जागरूकता सप्ताह'' के समापन अवसर पर आज यातायात पुलिस द्वारा ''हेलमेट जागरूकता बाइक रैली'' का आयोजन किया गया। रैली प्रारम्भ से पूर्व नगर निगम ग्वालियर द्वारा चलाये जा रहे शहरी स्वच्छता संकल्प हस्ताक्षर अभियान के तहत बैनर पर उपस्थित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने हस्ताक्षर किये। उसके बाद रैली को नगर निगम ग्वालियर के एडिशनल कमिश्नर अमरसत्य गुप्ता ने पुलिस कन्ट्रोल रूम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस ''हेलमेट जागरूकता बाइक रैली'' में कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल,भापुसे, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) ऋषिकेश मीणा, डीएसपी यातायात नरेश बाबू अन्नोटिया, विक्रम सिंह कनपुरिया, बैजनाथ प्रजापति सहित यातायात पुलिस व शहर के थानों के पुलिस अधिकारी व कर्मचारीगणों ने दोपहिया वाहनों पर हेलमेट लगाकर भाग लिया।ग्वालियर यातायात पुलिस द्वारा आयोजित ''हेलमेट जागरूकता बाईक रैली'' सिटी सेंटर स्थित कन्ट्रोल रूम से प्रारम्भ होकर, तानसेन तिराहा, आकाशवाणी तिराहा, सूर्य नमस्कार तिराहा, महाराजा गेट, गोले का मन्दिर, दूध डेयरी तिराहा, इन्द्रमणी नगर तिराहा, दुल्लपुर तिराहा होते हुए आकाशवाणी तिराहा से तानसेन, राजमाता तिराहा, एजी पुल, विवेकानंद तिराहा, चेतकपुरी, अचलेश्वर मंदिर, इन्दरगंज, नदीगेट, शिन्दे की छावनी होते हुए बहो?ापुर स्थित पुलिस लाइन ग्वालियर में समाप्त हुई।रैली के समापन उपरान्त पुलिस लाइन के सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में अति0 पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन डी. श्रीनिवास वर्मा द्वारा पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल,भापुसे एवं अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) ऋषिकेश मीणा की उपस्थिति में यातायात जागरुकता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए डॉक्टर, समाजसेवी तथा अन्य संस्थानों के पदाधिकारियों को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ0 देवेन्द्र देब?ा एवं विनोद भदौरिया द्वारा वाहन चालकों के लिए आई चेकअप कैम्प आयोजित किया था,

स्व. शीतला सहाय जी द्वारा स्थापित संस्थान मानव सेवा में जुटा हैः गृह मंत्री डॉ. मिश्र

ग्वालियर। गृह, जेल, विधि विधायी एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि स्व. शीतला सहाय जी ने पीड़ित मानवता की सेवा के लिये कैंसर चिकित्सालय के रूप में जो पौधा रोपा था, वह अब पुष्पित व पल्लवित होकर मानव सेवा के प्रतिमान स्थापित कर रहा है। डॉ. मिश्र सोमवार की देर शाम आयोजित हुए कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान के 52वे स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। जन विकास न्यास द्वारा संचालित कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान के स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने की। समारोह में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, संभाग आयुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अविनाश तिवारी, कैंसर चिकित्सालय के संस्थापक न्यासी वीरेन्द्र गंगवाल व शिवकुमार श्रीवास्तव, कैंसर चिकित्सालय के संचालक डॉ. बी आर श्रीवास्तव तथा डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, डॉ. अचला सहाय शर्मा एवं कैंसर चिकित्सालय संचालन से जुड़े अन्य प्रतिनिधिगण मौजूद थे। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि स्व. शीतला सहाय जी द्वारा स्थापित ग्वालियर का कैंसर चिकित्सालय केवल ग्वालियर-चंबल अंचल और मध्यप्रदेश ही नहीं अन्य समीपवर्ती राज्यों के कैंसर मरीजों को नया जीवन दे रहा है। उन्होंने कहा कि हर आदमी तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मुहैया कराने के लिये प्रदेश सरकार ने कारगर कदम उठाए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती देने के लिये निजी स्वास्थ्य संस्थाओं का सहयोग भी जरूरी है। इस अवसर पर सांसद शेजवलकर ने भी विचार व्यक्त किए और स्व. शीतला सहाय जी द्वारा ग्वालियर के विकास और मानव सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का स्मरण किया। आरंभ में गृह मंत्री डॉ. मिश्र सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं स्व. शीतला सहाय जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का उदघाटन किया। इस अवसर पर मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी हुई। कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान के संचालक डॉ. बी आर श्रीवास्तव ने स्वागत उदबोधन दिया एवं अतिथियों का स्वागत किया। कैंसर को हराकर सुखद जीवन व्यतीत कर रहे बच्चे एवं अन्य नागरिकों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने और अंत में सिम्स हॉस्पिटल के संचालक डॉ. नीरज शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478